Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बोध

(प्रथम भाग)

SP
1·3

★

LIBRARY
No. 11101 A
BANARAS

लेखक

प्रा० बा० र० देवधर

देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूज़िक
ऑपेरा हाउस के सामने
मुंबई–४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग-बोध

(प्रथम भाग)

[पुनर्मुद्रित]

★

लेखक

प्रा० बा. र. देवधर, बी० ए०
देवधर स्कूल ऑफ इन्डियन म्यूझिक
ऑपेरा हाऊस के सामने, बम्बई-४

१९६५, मूल्य. रु० १.२५

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प्रकाशक

श्रीमती चंपावती देवधर,

प्रा० बा. र. देवधर, बं० ए०
देवधर स्कूल ऑफ इन्डियन म्यूझिक
आपेरा हाऊस के सामने बम्बई–४

मुद्रक
एज्यूकेशनल प्रेस चौड़ा रास्ता
जयपुर,

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

LIBRARY
No. ...
... Ashram
BANARAS

निवेदन

अ० भा० गांधर्व महाविद्यालय मंडल के पाठ्य क्रमानुसार संगीत विशारद तक के प्रायः सभी रागों की सुन्दर तथा प्राचीन बन्दिशों का समावेश राग बोध ग्रन्थ माला के अन्तर्गत किया गया है जिसका यह प्रथम भाग अपनी नयी आवृत्ति के साथ प्रस्तुत है। इस प्रथम भाग में मंडल के प्रथम वर्ष के पाठ्य क्रमानुसार रागों की बन्दिशें दी गई है जिसमें प्रत्येक राग की कम से कम तीन तीन चीजें हैं तथा इनमें एक चीज़ आलाप तान के साथ है। इनमें से अधिकांश चीजें वहीं हैं जो मैंने अपने गुरु स्व० पं० विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी से प्राप्त की थीं। तथा कुछ अन्य खानदानी चीजें भी हैं।

स्व० श्री नारायण मोरेश्वर खरे द्वारा निर्मित लक्षण गीत लिये गये है। मुझे पूर्ण आशा है कि संगीत प्रेमी इसे पूर्ववत् अपना कर मेरा परिश्रम सफल बनायेंगे ।

लेखक

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अनुक्रम

पृष्ठ संख्या

प्रवेशिका प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम १–८

गायन क्रियात्मक १

गायन शास्त्र २

स्वर बोध ३

तानबद्ध अलंकार ४

प्रारंभिक परिचय ८–१६

स्वर ८

सप्तक ८

शुद्ध स्वर और स्वरांतर ९

विकृत स्वर ९

कोमल और तीव्र स्वर १०

सप्तक के बारह स्वर १०

सप्तकों के बारह स्वर १०

आरोह और अवरोह १०

ताल और मात्रा ११

लय ११

राग १३

राग नियम १३

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी १३

औडव, षाडव और संपूर्ण १४

आलाप १४

तान १५

बोलतान १५

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	पृष्ठ संख्या
स्थाई और अन्तरा	१५
अलंकार	१५
१. राग भूप	१५–२४
(१) सखी मधुर–त्रिताल,	१७
(२) इतनो जोबन पर मान न करिये–त्रिताल	१८
(३) लख छबि सांवरिवा–त्रिताल	१९
(४) 'लल छवि सावरिया' इस गीत पर आलाप-तान,	२०
२. राग काफी	२४–३३
(१) कैसी काफी बनाई कान्हा–तीनताल	२५
(२) मितवा माने नहीं–तीनताल,	२७
(३) आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई–त्रिताल.	२८
(४) 'आज कैसी ब्रिजमे' गाने के आलाप–तान,	२९
३. राग खमाज	३३–४३
(१) सोहत मधुर खमाज-एकताल	३४
(२) तू गरीबनवाज मेरोज–एकताल,	३६
(३) रे मन हरसो करे तूं प्रीत–त्रिताल	३७
(४) जावो सैंया न मासे–त्रिताल,	३८
(५) जावो सैया न मोसे इस गीत के आलाप–तान	३९
४. राग देस	४३–५१
(१) सारगम–तीन ताल	४३
(२) कान्हा बांसुरिया बजाये–त्रिताल,	४४
(३) तबसो चैन नही–तीनताल,	४५
(४) चंचल छल कृष्ण कान्हा'–दादरा	४७
(५) चंचल छल कृष्ण कान्हा' इस गीत पर आलाप–तान	४९

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

LIBRARY (३) A... Shri Shri ... Ashram BANARAS

पृष्ट संख्या

५. राग दुर्गा ५२-६१

(१) सब मिल गावो-तीनताल, ५२
(२) सखी मोरी रुम झूम-झपताल, ५४
(३) एरी धन धन भाग मोरे-तीनताल, ५४
(४ रूप जोवन गुन घरो रहत है-त्रिताल, ५६
(५) 'सखी मोरी रुम झूम' इस गीत पर आलाप-तान ५७

६. राग सारंग ६१-७१

(१) घन घन धुन सारंग-एकताल, ६२
(२) औचकहि भेट भईरी-तीनताल, ६४
(३) मधु मदन मन करो प्रभु से तुम-झपताल ६५
(४) बन बन ढूंढन जाऊँ-त्रिताल ६७
(५) 'बन बन ढूंढन जाऊँ' इस गीत पर आलाप-तान ६८

७. राग भीमपलासी ७१-७९

(१) गत एकताल ७२
(२) बिरज में घूम मचायो-त्रिताल ७३
(३) बन ढूंढत जात सखी री-त्रिताल, ७४
(४) छबि छबि बनी बनवारी की-त्रिताल ७४
(५) 'बिरज में घूम मचायो' इस गीत पर आलाप-तान, ७६

८. राग बागेश्री ८०-८८

(१) गत तीनताल ८०
(२) ऋतु बसंत तुम-त्रिताल, ८१
(३) अरी एरी सखी-झपताल, ८२
(४) 'ऋतु बसंत तुम' गीत पर आलाप-तान ८४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

पृष्ठ संख्या

९. ध्रुपद ८८–९४

(१) खमाज–जय जय जय सत्यदेव–चौताल ८८
(२) भीमपलासी–कुंजन में रच्यो रास–चौताल ८९
(३) बागेश्री - जय जय जय जगदाधार–चौताल ९१
(४) राग सारंग–कोउ कहत रे मधुप तू–चौताल ९३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

LIBRARY No. ... Shri ... Ashram

प्रवेशिका प्रथम वर्ष

गायन—क्रियात्मक

(सा) स्वरज्ञानः—सात शुद्ध स्वरों को गाने और पहचानने का ज्ञान तथा ५ विकृत स्वरों का साधारण ज्ञान। दो-दो स्वरों के सरल समूहों को गाना और पहचानना।

(रे) सरल अलंकारों को विलंबित और मध्य लय में हाथ से मात्रा दिखाते हुए 'सरगम' के साथ तथा आकार के साथ बोलना और इन्हीं अलंकारों को सीखे जाने वाले प्रत्येक राग में गाना।

(ग) इस परीक्षा के लिए आठ राग रखे गये हैं।—(१) दुर्गा, (२) भूपाली, (३) सारंग (४) बागेश्री, (५) खमाज, (६) देश, (७) काफी, (८) भीमपलास।

इन रागों की पढ़ाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा—

(अ) आरोह, अवरोह, पकड़ का ज्ञान।

(ब) सम अथवा खाली से प्रारम्भ होने वाला, सीधी बंदिशका, त्रिताल में प्रत्येक राग का एक-एक छोटा ख्याल। प्रत्येक छोटे ख्याल में छः तानें तथा चार आलाप आवश्यक।

(क) उक्त आठ रागों में से किन्हीं चार रागों में एक एक ध्रुपद (चौताल) गाते समय हाथ से ताली देकर ताल दिखाने की क्षमता।

(ड) शेष चार रागों में से किन्हीं दो रागों में झपताल में और बाकी दो रागों में द्रुत एकताल में लक्षण गीत अथवा 'सरगम' इस तरह १६ गीत इस वर्ष में होंगे।

(म) राष्ट्र-गीत "जन गण मन" और "वन्दे मातरम्।

(प) मुख्य राग दर्शक आलापों द्वारा राग पहचानना।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(घ) लय ज्ञानः—साधारण लय में मुँह से प्रत्येक मात्राएँ तथा हाथ से प्रत्येक मात्रा पर ताल मारते जाना और इस प्रकार अखंड लय को स्थिर रखने का प्रयत्न करना। विभिन्न सरल लय के प्रकारों को मुँह से बोलना, तथा हाथ से स्थिर मात्राएँ देते रहना जैसे आधी आधी मात्रा को दो अंक तथा सरगम कहना [१ २ या स ग] और हाथ से एक मात्रा का ताल लगाना। इसी प्रकार साधारण लय के अन्य रूपों का प्रयोग करना। जैसे—

स रे स रे ग रे ग म ग म प म स
— ० ० — ० ० — ० ० — ० ० ०
रे स रे ग रे ग म ग म प म म रे
— ० ० — ० ० — ० ० — ० ० ०
स रे ग रे ग म ग म प म
— ० ० — ० ० — ० ० — आदि आदि।

(नी) ताल:—तीनताल, झपताल, एकताल, कहरवा तथा दादराके ठेकों को हाथ से ताल देते हुए बोलना। तबलेका ठेका सुनकर सम पहचानना आना चाहिये।

गायन—शास्त्र

(१) निम्नलिखित शब्दों की संक्षिप्त परिभाषा :—

नाद, स्वर, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर [कोमल तीव्र], सप्तक, मेल, अलंकार, अथवा पलटा, राग, जाति, ओड़व, षाड़व, संपूर्ण, वादी, संवादी, पकड़, आलाप, तान, स्वरमालिका [सरगम गीत], लक्षण गीत, स्थायी, अंतरा, लय, विलंबित, मध्य, द्रुत, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, दुगुन, ठेका, वर्जित स्वर आवर्तन।

(२) प्रथम वर्षों के रागों का वर्णन, अर्थात उनके मेल, स्वर, आरोह अवरोह, जाति, पकड़, वादी, संवादी, वर्जितस्वर, समय आदि को लिखना।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) प्रथम वर्ष के तालों के ठेके, उनकी मात्रा, विभाग [खंड], सम, ताली, खाली आदि के साथ लिखना।

(४) 'सरगम' गीतों को स्वर-लिपि में लिखना।

(५) लिखित स्वर समूहों द्वारा राग पहचानना।

(६) शुद्ध स्वरों के सरल अलंकार बनाना।

(७) स्वर-लिपि के चिन्हों का सामान्य परिचय।

प्रथम भाग

स्वर बोध

(१) सा
सा रे सा
सा रे ग रे सा
सा रे ग म ग रे सा
सा रे ग म प म ग रे सा
सा रे ग म प ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी सां नी ध प म ग रे सा.

(२) सारे, रेग, गम, मप, पध, धनी, नीसां,
सांनी, नीध, धप, पम, मग, गरे, रेसा.

(३) साग, रेम, गप, मध, पनी, धसां,
सांध, नीप, धम, पग, मरे, गसा.

(४) साम, रेप, गध, मनी, पसां,
सांप, नीम, धग, परे, मसा.

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां,
सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा.

(६) गरेसा, मगरे, पमग, धपम, नीधप, सांनीध,
धनीसां, पधनी, मपध, गमप, रेगम, सारेग.

(७) सारेसा, रेगरे, गमग, मपम,पधप, धनीध, नीसांनी.
नीसांनी, धनीध, पधप, मपम, गमग, रेगरे, सारेसा.

(८) सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनी, पधनीसां,
सांनीधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा.

(९) सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनीधप, धसांनीध,
धसांनीध, पनीधप, मधपम, गपमग, रेमगरे, सागरेसा.

(१०) सारेगसा, रेगमरे, गमपग, मपधम, पधनीप, धनीसांध,
धनीसांध, पधनीप, मपधम, गमपग; रेगमरे, सारेगसा.

तालबद्ध अलंकार

ताल—त्रिताल, मात्रा १६, ताली १—५—१३, खाली ९ पर

तबले के बोल

धा धीं धीं धा	धा धीं धीं धा	धा तीं तीं ता	ता धीं धीं धा
×	२	०	३
(१) सा रे ग म	प ध नी सां	सां नी ध प	म ग रे सा
×	२	०	३
(२) सा — रे ग	रे — ग म	ग — म प	म — प ध
×	२	०	३
प — ध नी	ध — नी सां	सां — नी ध	नी — ध प
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	ध – प म	प – म ग	म – ग रे	ग – रे सा
	×	२	०	३
(३)	सा रे ग म	सारे गम पध नीसां	सां नी धप	सांनी धप मग रेसा
	×	२	०	३

ताल—झपताल, मात्रा १०, ताली १-३-८, खाली ६ पर.

तबले के बोल

	धी ना	धी धी ना	ती ना	धी धी ना
	×	२	०	३
(१)	सा –	रे ग म	प –	ध नी सां
	×	२	०	३
	सां –	नी ध प	म –	ग रे सा
	×	२	०	३
(२)	सा –	सा रे ग	रे –	रे ग म
	×	२	०	३
	ग –	ग म प	म –	म प ध
	×	२	०	३
	प –	प ध नी	ध –	ध नी सां
	×	२	०	३
	सां –	सां नी ध	नी –	नी ध प
	×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध — | ध प म | प — | प म ग |
× २ ० ३
म — | म ग रे | ग — | ग रे सा |
× २ ० ३

एकताल, मात्रा १२, ताली १–५–९–११, खाली ३–७ पर

तबले के बोल

धीं धीं | धागि तृक | तू ना | क त्ता | धागि तृक | धी ना |
× ० २ ० ३ ४

(१) सा ग | रे सा | रे म | ग रे | ग प | म ग |
× ० २ ० ३ ४
म ध | प म | प नी | ध प | ध सां | नी ध |
× ० २ ० ३ ४
ध सां | नी ध | प नी | ध प | म ध | प म |
× ० २ ० ३ ४
ग म | म ग | रे म | ग रे | सा ग | रे सा |
× ० २ ० ३ ४

(२) सा रे | सा ग | रे ग | रे म | ग म | ग प |
× ० २ ० ३ ४
म प | म ध | प ध | प नी | ध नी | ध सां |
× ० २ ० ३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां	नी	सां	ध	नी	ध	नी	प	ध	प	ध	म
×		०		२		०		३		४	
प	म	प	ग	म	ग	म	रे	ग	रे	ग	सा
×		०		२		०		३		४	

ताल दादरा-मात्रा ६, ताली १ पर, खाली ४ पर

तबले की बोल

(१)	धा	धि	ना	धा	ती	ना	धा	धी	ना	धा	ती	ना
	×			०			×			०		
	सा	रे	ग	म	प	ध	रे	ग	म	प	ध	नी
	×			०			×			०		
	ग	म	प	ध	नी	सां	सां	नी	ध	प	म	ग
	×			०			×			०		
	नी	ध	प	म	ग	रे	ध	प	म	ग	रे	सा
	×			०			×			०		
(२)	सा	रे	ग	ग	रे	सा	रे	ग	म	म	ग	रे
	×			०			×			०		
	ग	म	प	प	म	ग	म	प	ध	ध	प	म
	×			०			×			०		
	प	ध	नी	नी	ध	प	ध	नी	सां	सां	नी	ध
	×			०			×			०		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प ध नी	नी ध प ‖	म प ध	ध प म
×	०	×	०
ग म प	प म ग ‖	रे ग म	म ग रे
×	०	×	०
सा रे ग	ग रे स ‖		
×	०		

प्रारंभिक परिचय

नादः—नाद का अर्थ है ध्वनी। किसी भी वस्तु के कम्पन के कारण हवा में लहरें उठती हैं और वे लहरियाँ अपने कानों के पर्दे से टकराती हैं और हमें सुनाई देती हैं।

स्वर

संगीत के अभ्यास के लिए पहले "स्वर" का ज्ञान होना आवश्यक है। गायन के लिए उपयोगी नाद को स्वर कहते हैं।

इस तरह मुख्य स्वर सात हैं, जिनके नाम षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं; किन्तु प्रत्यक्ष व्यवहार में इनके बदले क्रमानुसार सा, रे, ग, म, प, ध, नी इस तरह गाये जाते हैं।

ये स्वर एक के बाद एक चढ़ते जाते हैं; जैसे :—'सा' से 'रे' और 'रे' से 'ग'।

सप्तक

'सा' से लेकर 'नी' तक क्रमानुसार स्वरों को सप्तक कहते हैं। ऐसे तीन सप्तकों का हिन्दुस्तानी संगीत में उपयोग किया जाता है। इन्हें मन्द्र, मध्य और तार के नाम से पहचाना जाता है। सबसे नीचे मंद्र सप्तक है; जिस स्वर में हम आम तौर से बातचीत करते हैं वह मध्य सप्तक है और मध्य सप्तक के ऊपर तार सप्तक है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

इस किताब में जिस स्वरलिपि (नोटेशन) पद्धति से गाने लिखे गये हैं, तदनुसार मन्द्र सप्तक के स्वर के लिये, स्वर के नीचे ऐसा (.) बिन्दु दिया है। मध्य सप्तक के स्वर के लिये ऊपर ऐसा (.) बिन्दु देकर बताया गया है।

उदाहरण—स्वरूप

मंद्र सप्तक—सा रे ग म प ध नी।

मध्य सप्तक—सा रे ग म प ध नी।

तार सप्तक—सां रें गं मं पं धं नीं।

शुद्ध स्वर और स्वरांतर

गायन का अभ्यास करते समय स्वर जिस अंतर से सिखाये जाते हैं, और जो प्राकृतिक हैं उनको शुद्ध स्वरांतर अथवा शुद्ध स्वर कहते हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत में एक सप्तक में २२ नादों का पुरातन काल से उपयोग किया जाता है, जिनको श्रुति कहते है। ये नाद या श्रुति एक से एक चढ़े हुए हैं। श्रुति का विशेष विवेचन आगे आने वाला है। परन्तु ऊपर शुद्ध स्वर की जो परिभाषा दी गई है, उससे शुद्ध स्वरों और इनका फर्क इतना स्पष्ट नहीं होता। इसलिये २२ श्रुति और शुद्ध स्वर-स्थान नीचे दिये गये हैं।

इन २२ श्रुतियों में से शुद्ध स्वर इन श्रुतियों पर आयेंगे, जैसे :— सा ३ पर, रे ५ पर, ग ८ पर, म १० पर, प १४ पर, ध १८ पर, नी २१ पर। अतः शुद्ध स्वर और अन्य श्रुतियों का एकत्र स्वरूप और संबंध इस तरह है :—

सा	रे	ग	म	प	ध	नी
१२३४	५६७	८९	१०१११२१३	१४१५१६१७	१८१९२०	२१२२

विकृत स्वर

शुद्ध स्वर से ऊपर या नीचे आने वाले स्वर को विकृत स्वर कहते हैं। ऐसी विकृति दो प्रकार की होती है, कोमल और तीव्र।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

कोमल और तीव्र स्वर

कोमल स्वर याने शुद्ध स्वर से नीचे का स्वर' और तीव्र स्वर, याने शुद्ध स्वर से ऊँचा स्वर होता है।

सप्तक के बारह स्वर

सप्तक में सात शुद्ध स्वर और पाँच विकृत स्वर होते हैं। सा और प ये दो स्वर अपने स्थान पर कायम (अचल) रहते हैं, इसलिये सदा शुद्ध माने जाते हैं: बाकी ५ स्वरों में रे, ग, ध, नी, ये चार स्वर कोमल होते हैं और म ही तीव्र होता है। इस तरह इन सब शुद्ध, कोमल और तीव्र स्वरो को लेकर एक सप्तक में स्वरों को संख्या १२ होगी।

स्वर-लिपि-लेखन में कोमल स्वर के नीचे (—) ऐसी आड़ी रेखा दी गयी है; जैसे :—

रे॒ ग॒ ध॒ नी॒

तीव्र स्वर स्वर के ऊपर (।) ऐसा निशान, (खड़ी रेखा) के द्वारा दिखाया गया है; दाहरण—मं।

सप्तकों के बारह स्वर

सा रे॒ रे ग॒ ग म मे प ध॒ ध नी॒ नी

मेल :—जिन स्वर समुदायों द्वारा राग उत्पन्न किये जा सकते हैं उन्हें मेल या थाट कहते हैं। स्वरों की कोमलता तीव्रता के अनुसार उन्हें विशेष समूहों में बांट दिया गया है वे ही मेल हैं। मेल के इन्हीं स्वर समूहों में से, वादी संवादी स्वर, आरोह की स्वर संख्या, स्वरों की प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग अलग परिवर्तन करने से रागों का निर्माण होता है।

आरोह और अवरोह

स्वरों द्वारा ऊपर जाने की क्रिया को 'आरोह' कहते हैं और नीचे आने की क्रिया को 'अवरोह'।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ताल और मात्रा

गायन में रंगत और मिठास लाने वाले निश्चित काल को ताल कहा जाता है। इस काल और ताल के नाप के साधन (प्रमाण) को मात्रा कहते हैं। मात्रा का काल निश्चित करने के लिये, हाथ पर हाथ याने ताली देकर काल-प्रमाण ठहराया जाता है। इस प्रकार ताली देने में जितना समय लगता है. वह एक मात्रा का काल-प्रमाण है।

ताल में मात्रा के अतिरिक्त सम, ताली और खाली, ऐसे तीन प्रकार हैं।

सम—यह ताल में बड़े ही महत्व की मात्रा है। इस पर ताली रहती है और वह साधारण ताली की अपेक्षा जोर से दी जाती है। सम आम तौर से पहिली मात्रा पर आता है।

खाली—ताल की एक महत्वपूर्ण मात्रा है, लेकिन ताली के बदले हाथ बगल (एक ओर हटा) कर दिखाई जाती है।

ताली—ताल में सम की ताली छोड़कर जो दूसरी तालियाँ आती हैं, उनको केवल ताली कहा जाता है।

सम इस × चिन्ह से दिखाया जाता है, खाली का चिन्ह ० यह है। ताली अंक द्वारा दिखाई जाती है और वे अंक क्रमानुसार होते हे। उदाहरण :—तीन ताल या त्रिताल की मात्राएँ १६ हैं। ताली १–५–१३ पर आती है। और खाली ९ पर है।

१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
×	२	०	३

लय

ताल की गति यानी Speed को लय कहते है। लय तीन प्रकार की होती हैं—१. विलंबित, २. मध्य ३. द्रुत।

विलंबित—आहिस्ता-मंद गति को कहा जाता है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मध्य—न आहिस्ता न तेज, याने मध्यम गति ।

द्रुत—शिघ्र या तेज गति ।

ताल विभाग :—ताल की रचना विभिन्न मात्राओं के गुट बनाकर की जाती है। ये गुट दो, तीन अथवा चार मात्राओं के होते हैं। इन गुटों को मात्रा-खण्ड या ताल-विभाग कहते हैं। दो और चार मात्रा के गुटों को सम तथा तीन मात्रा वाले गुट को विषम कहते हैं।

उदाहरण :—(१) तीन ताल में १६ मात्रायें होती हैं जिन्हें चार-चार मात्रा के चार गुटों में बाँट दिया गया है ।

(२) दादरा ताल में ६ मात्रायें होती हैं। इसे तीन-तीन मात्रा के दो विषम भागों में बाँट दिया गया है ।

(३) झपताल में दस मात्रायें हैं, और वह २, ३ और २, ३ के गुटों में विभाजित कर दी गई है ।

ठाय या ठाह लय :—जिस गति के अनुसार मूल गीत गाया जाता है उस गति अथवा लय को ठाह या ठाय लय कहते हैं। मूल गीत अगर बड़ा ख्याल होगा तो लय आहिस्ता अथवा ठाय होगी; मध्य लय में होगा तो वह ठाय लय मध्य गति में; और अगर मूल गीत द्रुत लय में होगा तो ठाय लय द्रुत गति मे रहेगी ।

दुगुन :—जिस लय में गीत गाना हो उसी लय की गति में ताल की मात्रा १, २, ३, ४ कहो। इस मात्रा गिनने में जो लय उत्पन्न होगी वह ठाय लय होगी। १, २, ३, ४ को मात्रा हाथ पे दो और प्रत्येक मात्रा में दो-दो अंक गिनो। इस तरह ४ मात्रा में ८ की गिनती गिनी जा सकती है। अर्थात् मूल ४ मात्राओं की यह दुगुन हो गई। एक मात्रा में दो अंक गिनने से दुगुन या दुगुन लय हो जाती है ।

ठेका :—मृदंग या तबला आदि पर बजाये जाने वाले धाधिन ता, तिरकिट आदि हर एक ताल के बोलों को ठेका कहते हैं ।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आवर्त या आवर्तन :—ताल की पहली मात्रा से आखिरी मात्रा तक की सीमा को आवर्त या आवर्तन कहते हैं।

उदाहरण :—तीन ताल का आवर्तन १ से १६ मात्रा तक अर्थात् १६ मात्राओं का होगा। इसी तरह झपताल का १० मात्राओं का होगा।

राग

मनोरंजन और रस पैदा करने वाले, खास नियमाधीन स्वर-समुदाय को 'राग' कहते हैं।

राग-नियम

१. राग में कम से कम पांच स्वर होने चाहिये।

२. म अथवा प इन दोनों में से कोई एक स्वर राग में होना चाहिये।

३. एक ही स्वर के दो भेद, यानी कोमल तथा शुद्ध राग में एक के बाद एक न आना चाहिये।

४. राग में स्वर-विस्तार क्रमानुसार होना चाहिये।

५. वादी और संवादी स्वरों का स्वरूप, उस पर ठहरकर ठीक-ठीक दिखाना चाहिये।

पकड़ :—राग में आने वाला छोटा से छोटा स्वर-समुदाय जिसके द्वारा राग की पहचान फौरन हो जाती है उसे राग की पकड़ कहते है।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

राग के मुख्य स्वर को 'वादी' कहते हैं; यह स्वर राग में बारम्बार आता है।

वादी के साथ सम्बन्ध रखने वाले स्वर को संवादी कहते हैं, साधारणतया यह वादी से चौथा या पाँचवां होता है।

वर्जित स्वर—राग में न लगने वाला स्वर वर्जित स्वर कहलाता

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

उदाहरण :—भूप राग तथा दुर्गा राग में म नी स्वर नहीं लगाये जाते, इसलिये इन स्वरों को उन रागों के वर्जित स्वर कहने चाहिये।

'वादी' और संवादी' स्वरो के अतिरिक्त राग मे आने वाले दूसरे स्वरों को 'अनुवादी' कहते हैं।

राग में न आने वाले स्वरों को 'विवादी' कहते हैं।

ओड़व, षाड़व और सम्पूर्ण

पाँच स्वर वाले राग को 'ओड़व' कहते हैं।

जैसे—भूप, दुर्गा, सारंग आदि।

छः स्वर वाले राग को 'षाड़व' कहते हैं।

जैसे—पूरिया, मारवा, सोहनी।

सात स्वर वाले राग को 'संपूर्ण' कहा जाता है।

जैसे—भैरव, भैरवी आदि।

स्वअमालिका :—रागों में लगने वाले स्वरों की तालबद्ध रचना को स्वरमालिका, सरगम या सुरावर्त कहते हैं। विद्यार्थी को राग ज्ञान सिखाने के लिये स्वरमालिका का बहुत उपयोग होता है। इनकी रचना विभिन्न तालों में की जाती हैं।

लक्षणगीत :—जिन गीतों में राग के नियम, राग में लगने वाले स्वर, आरोह अवरोह, वादी संवादी स्वर तथा राग की विशेषताओं का वर्णन किया जाता है, उसे लक्षणगीत कहते हैं। लक्षणगीत सीख लेने पर राग नियम याद रखने में बड़ी सरलता हो जाती है।

आलाप

प्रत्येक राग में एक खास रस की भावना पैदा होती है। इस भावनामय राग स्वरूप को आलाप द्वारा अच्छी तरह दिखाया जा सकता हैं। अर्थात् आलाप,

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्वरों का आहिस्ता-आहिस्ता किया जाने वाला विस्तार है। आलाप आम तौर से अकार, आकार और इकार से लिया जाता है।

तान

राग के स्वरों के, द्रुत गति में होने वाले विस्तार को तान कहते हैं। राग का स्वरूप, आलाप की भांति तान से व्यक्त नहीं होता। तान भी अकार, आकार, इकार व उकार मे लिये जाते हैं।

बोल-तान

जब आलाप और तान में चीज (गीत) के बोल लिये जाते हैं, तब उन्हें 'बोलतान' कहते हैं।

गीत के प्रारम्भिक भाग को स्थाई कहते है। स्थाई का विस्तार अधिकतर मध्य और मंद्र सप्तक में होता है।

स्थाई और अन्तरा

गीत के दूसरे भाग को अन्तरा कहते हैं। अन्तरा आमतौर से तार और मध्य सप्तक में होता है।

अलंकार

स्वरों की खास रचना को अलंकार कहते हैं। अलंकार में आरोह-अवरोह होना चाहिये। अलंकार को पलटा भी कहा जाता है। स्वर-ज्ञान के लिये पलटे का रियाज़ बड़ा ही उपयोगी होता है।

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग भूप (भूपाली)

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में म और नी यह दोनों स्वर वर्जित हैं। बाकी सभी शुद्ध स्वर हैं। वादी स्वर गांधार और संवादी धैवत है। इस राग के गाने का समय रात का पहला पहर और इसकी जाति षाढव-औड़व है।

आरोह

सा रे, ग, प, ध सां

अवरोह

सां, ध, प, ग, रे सां,

पकड़

सा ध सा, सा रे ग, प ध प ग, रे सा.

आलाप

सा, रे, ग, रे, ग, सारे, सा ध सा.

२. ग रे, सा, गा, पग, गपध, पग, रेसा,धपध, सा.

३. प ध सारेग, धसारेग, ग रे, गपध, पग, रेग, रे, सा.

४. गपध, गरे, पग, ध, गपध, पग, रेसा, ग रे, सा.

५. गपधसां, सांध पधसांरें, सां गं, रेंसां, ध पग, धपग, गपध, गधपग, रेग, रे, रे; सा.

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग भूप

ताल–त्रिताल

गीत (१)

सखी मधुर–मधुर मुरली बजाय ।
तन-मन की सुध विसराई श्याम ॥
आप नचे सब लोग नचावे ।
मिल सखियन संग रास रचावे ।
देख–देख मन भाये री ॥

ग प	ध सां ध प	ग रे सा सा
स खी	म धु र म	धु र मु र
	०	३

सा प			प
स रे प ग	— ग ग रे	प ग प —	सांऽध सां सां
ली ऽ ब जा	ऽ य त न	म न की ऽ	सु ध बि स
×	२	०	३

पध सां ध प	ग रे
राऽऽ ई शा	ऽ म
×	२

अन्तरा

प ग ग ग	प — सां ध
आ ऽ प न	चे ऽ स ब
०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां — सां सां	सां रें सां —	ध ध ध ध	सां सां रें रें
लो ऽ ग न	चा ऽ वे ऽ	मि ल स खि	य न सं ग
×	२	०	३
सां रें गं रें	सा. ध प —	ग — रे ग	प प सां ध
रा ऽ स र	चा ऽ वे ऽ	दे ऽ ख दे	ऽ ख म न
×	२	०	३
सां — पध सां	ध प		
भा ऽ ये ऽऽ	री ऽ		
×	२		

राग भूप

ताल–त्रिताल

गीत (२)

इतनो जोबन पर मान न करिये डरिये प्रभु सों आज आली ।। जी कोई आवै अपने ढ़िगवा तासों गरब न कीजिये, 'सदा रंग' यह रीत माने ।।

		सां सां ध प	ग रे सा सा
		इ त नो जो	ब न प र
		०	३
सा	सा	प प प	सां
ध — सा रे	ग रे ग —	ग ग ग रे	ग प ध सां
मा ऽ न न	न रि ये ऽ	ड रि ये ऽ	प्र भु सो ऽ
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प सांध सां सां | सांसां धप गरे सा |
आऽ ऽऽ ज | आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बि |

अंतरा

प
ग — ग रे | ग प सां ध |
जो ऽ को ई | आ ऽ वे ऽ |
० ३

सां सां ध सां
सां सां सां — | सां रे मां — | ध — ध — | सां सां रें रें |
अ प ने ऽ | ढ़ि ग बा ऽ | ता ऽ सो ऽ | ग र ब न |
× २ ० ३

ग
सां रें गं रे | सां सां ध प | प ग रे ग | प ध सां सां |
की ऽ ऽ जि | ये ऽ ऽ ऽ | स दा ऽ रं | ऽ ग य ह |
× २ ० ३

प सांध सां सां | सांसां धप गरे सा |
री ऽऽ ऽ त | मा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ने |
× २

राग भूप

ताल–त्रिताल

गीत (३)

लख छबि सांवरिया की मोरी मति भई बावरी ए देया ।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मोर मुकुट पीतांबर सोहे कुण्डल झलकत कानन में ।
मोरी मति भई बावरी ए दैया ॥

सा सा रे ध़	सा — ग रे	ग — रे —	प — ग —
ल ख छ बि	सा ऽ व रि	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ की ऽ
०	३	×	२
ग ग रे रे	सा सा — सा	सा सा रे सा	ध़ — प़ —
मो री म ति	भ ई ऽ बा	व री ए ऽ	दै ऽ या ऽ
०	३	×	२

अंतरा

सां — ध प	ग रे सां ध	सां — सां सां	सां रें सां —
मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	तां ऽ ब र	सो ऽ हे ऽ
०	३	×	२
सां — ध ध	सां सां रें रें	सां रें गं रें	सां ध प —
कुं ऽ ड ल	झ ल क त	का ऽ न न	मे ऽ ऽ ऽ
०	२	×	२
ग ग रे रे	सा सा — सा	सा सा रे सा	ध़ — प़ —
मो री म ति	भ ई ऽ बा	व री ए ऽ	दै — या ऽ
०	३	×	२

स्थाई के अलाप

१ ल ख छ बि	सा — — —	ध़ — प़ —	सा ध़ सा —
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

२ ल ख छ वि	सा रे ग —	रे — सा —	रे ध़ सा —
०	३	×	२
३ ल ख छ वि	सा रे ग —	प ध — प	ग — रे सा
०	३	×	२
४ ल ख छ त्रि	ग प ध —	सां — — —	रें — सां —
०	३	×	२
गं — रे सां	ध प ग —	ग : प ध —	प ग रे सा
०	३	×	२

अंतरा के आलाप

१ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	सां — — —	ध — सां —
०	३	×	२
२ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	पध सांरें गं —	सां रें ध सां
०	३	×	२
३ मो ऽ र मु	कु ट पी ऽ	सां रें गं —	रें — सां —
०	३	×	२
सां रें सां ध	— प ग —	ध — प —	ग रे सा —
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थाई के बोलतान

१ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	ग रे सा रे	सा ध़ सा –
		सा ऽ व रि	या ऽ की ऽ
०	३	×	२

२ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	सारे गप ध प	ग ग रे सा
		सा ऽऽ ऽऽ व	री या ऽ की
०	३	×	२

३ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	गग धसां रें सां	धप ग रे सां
		सां ऽ ऽऽ ऽ व	रीऽ या ऽ की
०	३	×	२

४ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	धप गरे गप धस	गरे गरे सारि धसां
		मोरि मति भई ऽबा	परि याऽ दैऽ याऽ
०	३	×	२

५ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	सारे गप धसा रेग	रेंसा धप गरे सा
			वरि एऽ दैऽ वा
०	३	+	२

स्थाई के तान

१ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	सारे गप धध पप	गरे गप गरे सा
०	३	×	२

२ ल ख छ वि	सा ऽ व रि	सारे गप धसां सांध	पप धप गरे सासा
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

३ ल ख छ वि | मा ऽ व रि | सारे गप धसां रेंरें | मांमां धप गरे सामा |

० ३ × २

४ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गग धसां रेंग | रेंसां धप गरे सासा |

० ३ × २

५ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | गंरें सांसां धप गरे | मांमां धप गरे सासा |

० ३ × २

६ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | सारे गरे ग, गप |

० ३ ×

धप धसां, धसां रेंरें | सांध, सांध पध पग | पग रेग रेसा, सारे |

२ ० ३

गग धसां रेंगं गंरें | सांसां धध गरे सा |

× २

७ ल ख छ वि | सा ऽ व रि | या ऽ ऽ ऽ |

० ३ ×

गप धसां पध सांरें | गंरें सांसां धध, धरें | सांसां धप गप धसां |

२ ० ३

पध सांसां धप गप | धध पप गरे सा |

× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रागभूप–स्वरमालिका

ताल–तीनताल

गात (४)

ग प ग रे	सा रे ध़ सा	ग – ग रे	ग प ध –
०	३	×	२
ग – ग रे	ग प ध सा	ध सां ध प	ग रे सा रे
०	३	×	२

अंतरा

ग – प ध	सां – सां –	सां रें गं रें	सां रें ध सां
०	३	×	२
गं रें सां ध	रें सां ध प	सां सां ध प	ग रे सा रे
०	३	×	२

राग–काफी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'ग' और 'नी' कोमल तथा बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। कई बार इस राग के आरोह में शुद्ध गंधार व निषाद लेने का प्रघात पाया जाता है, और वे कानों को अच्छे भी लगते हैं, पर जब तक इन सुरों को उपयोग में लाने का उचित ढंग विद्यार्थियों की समझ में भली भांति न आ पाये तबतक स्वर विस्तार करते समय इन स्वरों को उपयोग में लाने के तरीके से अलग रहना ही ठीक है। इसका वादी स्वर 'पंचम' और संवादी 'षड्ज' है। कोई कोई 'गंधार' को वादी और 'निषाद' को संवादी मानते हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है और किसी भी वक्त गाया जा सकता है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आरोह

सारेग मप धनीसां

अवरोह

सांनीधप, मग रे, सा, ।

पकड़

सा, रे रे, ग मम, प.

आलाप

(१) सा, नीधनीसा, रेरेग, रेसा.

(२) सासा, रे रे, गग, मम, प, धपमग, गरे, मगरेसा.

(३) सा, रेगरे, मगरे, मपमगरे, मपधप, मगरे, मगरेगसा.

(४) सारेगमप, मगरेगमप, मपधनी, धपमगरे, गरेसा.

(५) म, पधनीसांधनीसां, रें रें, सांनीधनीसां नीधपमप, गरे पमगरेसा.

राग—काफी

ताल—तीनताल

गीत १, लक्षण गीत

कैसी काफी बनाई कान्हा मोसे तान आलाप सुनाई ।
अरोहन में अवरोहन अरु संपूरन गाई ।
ग—नी सुर द्वय को कोमल करके पंचम वादी बनाई ।
उठी मै तुरत ही धाइ सुध बिसराई ।

पं० खरेशास्त्री

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म प ग रे	रे ग म म	प – प –	नी ध म प
के ऽ ऽ सो	का ऽ फो ब	ना ऽ ई ऽ	का न्हा मो से
०	३	×	२
पध नीसां नी ध	प म नी प	ग – रे –	रेग मप मग रेसा
ताऽ ऽऽ न ग्रा	ला ऽ प सु	ना ऽ ई ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

अंतरा

रें – रें –	रें रें सांरें गं	रें गं रें सां	रें नी सां सां
ग्रा ऽ रो ऽ	ह न में ऽ ऽ	ग्र ब रो ऽ	हु न ग्र रु
०	३	×	२
सां रें नी –	ध म प ध	नी – सां –	सां – – –
सं ऽ पू ऽ	र म सु र	गा ऽ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध ध ध ध	ध ध नीप ध	नि रें सां रें	नी ध प –
ग नी सु र	ह्र य कोऽ ऽ	कों ऽ म ल	क र के ऽ
०	३	×	२
प नी नी सां	सांरें नीसां नी ध	प ध पध नी	ध प ग रे
पं ऽ च म	वा ऽऽऽ दि ब	ना ऽ ईऽ ऽ	उ ठी मैं ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे ग म प	गरे ग रे –	रे प म प	ग रे नी सा
तु र त हि	घाऽ ऽ ई ऽ	सु ध बि स	रा ऽ ई ऽ
०	३	×	२

राग–काफी

ताल–तीनताल

गीत २

मितवा माने नहीं मसकत सखि बार बार बरजे
कर पकरत ऐमी का हम संग विपत भई ।।
निकट निकट निज पग धरत छैल ऐसी ब्रिजधन
मन हरत रोके गैल कर बिनती सुध बुध बिसर गई ।।

प ध पम प	ग रे म म	प – प ध	नी मां ध प
मि त वाऽ ऽ	मा ऽ ने न	हीं ऽ म स	क त स खि
०	३	×	२

ग रे रे प	– प धम म	धप – नी ध	म ग रे मा
बा ऽ र बा	ऽ र बऽ र	जऽ ऽ क र	प क र त
०	३	×	२

	म प		
सा – रे –	ग – म म	प प प ध	नी सां नीसां –
ऐ ऽ सी ऽ	का ऽ ह म	सं ग वि प	त भ इऽ ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अन्तरा

प पम ध प	ग रे म म	प प ध ध	नी सां – सां
नि कऽ ट नि	क ट नि ज	प ग ध र	त छे ऽ ल
०	३	×	२
रें गं रें सां	ध प ध म	ग ग रे रे	ग मसा सा
ऐ सो ब्रि ज	ध न म न	ह र त रो	के गै ऽ ल
०	३	×	२
	म		
सा सा रे रे	ग – म म	प प प ध	नी सां नीसां –
क र बि न	ती ऽ सु घ	बु ध बि स	र ग ईऽ ऽ
०	३	×	२

राग काफी

ताल–त्रिताल

गीत ३

आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई । पिचकारी रंग उड़त है सारी ।
बिंदराबन की सुन्दर शोभा । चकित भई सब नारी ।।

				म
				आ
म मं	म		म	
ग म ध प	ग ग रे –	ग सारे म म	प – प –	
ऽ ज कै सी	ब्रि ज में ऽ	धू ऽऽ म म	चा ऽ इ –	
२	०	३	×	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध

नी	पध	सांरें	नीसां	नी	ध	ग	म	रे	म	पध	मप	ग	–	रे	
पि	चऽ	काऽ	ऽऽ	री	ऽ	रं	ग	उ	ड	त	हैऽ	मा	ऽ	री	
२				०				३				×			

अन्तरा

म	म	प	ध	सां	नी	सां	–
बिं	द	रा	ऽ	ब	न	की	ऽ
०				३			

धसां	रेंग	रें	सां	नीसां	-नी	ध	प	ध	ध	ध	ध	नी	–	ध	प
सुं	दऽऽ	द	र	शोऽ	ऽऽ	भा	ऽ	च	कि	त	भ	ई	ऽ	स	ब
×				२				०				३			

म

ग	–	रे
ना	ऽ	री
×		

राग काफी

"आज कैसी ब्रिज में" गीत के आलाप और तान

स्थाई के आलाप,

आ	ऽ	ज	कै	सी	ब्रि	ज	में	ऽ	धू	ऽऽ	म	म	धा	ऽ	ई	
	२				०				३				×			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(१) आ | ऽ ज कै सी | धनी सारे ग– | रे – ग सा | म ग रे

२ ० ३ ×

(२) ,, | ,, ,, | सा रे ग – | म प – म | ग रे सा

२ ० ३ ×

(३) ,, | ,, ,, | रेग मप धनी - | ध – – प | म ग रे

२ ० ३ ×

(४) ,, | मप धनी सांरें गं | रें – – – | सां – नीध पम | पम गरे सा

२ ० ३ ×

अन्तरे के आलाप

(१) बि द रा ऽ | ब न की ऽ | सां – – – | नीध पध नीसां – |

० ३ × २

(२) बि द रा ऽ | ब न की ऽ | निसां रेंगं रें सां | नी ध सां – |

० ३ × २

(३) सां रें गं – | रें – गं सां | नीध पम गरे – | म – पध नीसां |

० ३ × २

स्थाई की बोलतानें

(१) म – म प | प ध नी ध | ध – धसां रेंसां | नि ध प

आ ऽ ज के | सी ब्रि ज मे | घूऽ मऽ मऽ | चा ऽ ई

० ३ × २

ब्रिजमेंऽ–

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) धध पध नीसां धनी | सां नीध पम गरे | ब्रिजमें ! घू
आऽ ऽऽ ऽऽ जऽ | ऽ कैऽ ऽऽ सीऽ | ०
० २

(३) म प धनि पध | सां नी सां – | ध सां रें मं | गं रें सां – |
आ ज कैऽ सीऽ | ब्रि ज मे ऽ | घू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ |
० ३ × २

सां रें नी – | ध – म म | रे म प म | पध नीसां नीध पम |
पि च का ऽ | री ऽ रं ग | उ ड त है | साऽ ऽऽ रीऽ ऽऽ |
० ३ × २
ब्रिजमें
०

(४) मप धनी पध नीसां | — सां — — | नीसां रेंसा गंसें गं |
आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ज ऽ ऽ | कैऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
० ३ ×

रेंसां — रें सां | नी सां नी — | ध — प प |
ऽऽ ऽ ऽ सी | ब्रि ज मे ऽ | घू — म म |
२ ० ३

गम पध नीसां रेंसां | नीध पम गरे सा | ब्रिजसे |
आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ई | ० |
२

स्थाई की तानें

(१) आ | ऽ ज कै सी | नीसां रेंग मप धनी | धप मग रेंसा, गम |
२ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| पप मग रेसा |

×

(२) आ | ऽ ज के सी | नीसां रेंग मप धनी | सांनी धप मग धनी |

२ ० ३

| धप मग रेसा |

×

(३) आ | ऽ ज के सी | नीसां रेंग मप धनी | सारें गंरें सांनी धप |

२ ० ३

| मप मग रेसा |

×

(४) ,, | ,, | मप मग रेसा गरे | सारे मग धप धनी |

२ ० ३

| धप मग रेसा |

×

(५) ,, | ,, | मग रेसा नीनी धप | मग रेसा,रेंरें सानी |

२ ० ३

| धप मग रेसा |

×

आगे की तानें ५ वीं मात्रा से शुरू होती हैं। इसलिये 'धूम मचाई' इस पंक्ति के आखिरी अक्षर 'ई' में एक मात्रा बढ़ाकर गाया जाये और उसके बाद तान शुरु की जाये।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) धू ऽऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मग धनी सांरें मंगं | गंरें सांनी धग मप |

३ × २ ०

धनी सांरें गंरें सांनीं | धग मग रेसा, आ | ऽ ज के सी |

३ × २

(७) धू ऽ ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप मग मग रेसा | धनी धनी धग मग |

३ × २

रेसा, नीसां नीसां नीध | पम गरे सा आ | ऽ ज के सी

३ × २

(८) धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | गम ग,ग मग रेसा | धनी ध,ध नीध पम |

३ × २ ०

गरे सा धनो सांनी | धप मग रेसा, आ | ऽ ज के सी

३ २ ०

(९) धू ऽ ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप धनी सांरें सानी | धप मग रेसा रेंग |

३ × २ ०

रेसा धनि धप मप | मग रेग रेंसा आ, | ऽ के सी

३ × २

राग खमाज

यह राग खमाज थाठ से उत्पन्न होता है। इस राग में दोनों निषाद लग हैं, आरोहमें शुद्ध और अवरोह में कोमल, बाकी सब स्वर शुद्ध है। आरोहमें 'रे'

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

वर्जित होनेके कारण इसकी जाति षाडव-संपूर्ण होती है। वादी स्वर 'ग' और संवादी 'नी' है। इसके गायन का समय रात का तीसरा पहर माना जाता है।

आरोह—सा, गम, प, धनीसां।

अवरोह—सांनी धप, मग रेसा।

पकड़—गम, प, नीध, मप, प, मग।

(१) निसा, ग, मप गमग, रेसा।

(२) गम, प, नीध, मपध, मगरेसा।

(३) गम, पधनी, धप, गमग, मधप, नीधप, गमग रेसा।

(४) निसा गमप, निधप, गमग, पधनीसां, नीधप, गमग रेसा।

(५) गमपधनीसां, नीधप, सारेंसां, नीध, गमनीधप, गमग, मगरेसा।

ताल एकताल

लक्षण गीत

गीत (१)

सोहत मधुर खमाज, सुध सुर युत दोऊ निषाद।
समय द्वितीय प्रहर रात, षाडव संपूरन यात।
आरोहन ऋषभ छुटत, सब सुर अवरोह करत।
गनी न्यास मंत्री सन्मत, सगउ सुर धमकी लसत॥ —पं० खरेशास्त्री

स्थायी

								प			
सा	-	ग	ग	ग	म	प	ध	ग	म	ग	ग
सो	ऽ	ह	त	म	धु	र	ख	मा	ऽ	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	प	पध	सां	नी	ध	प	म	ग	ग
सु	ध	सु	र	यु	त	दो	ऊ	नि	षा	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म	नी	ध	नी	प	ध	नी	सां	नी	सां	–	सां
स	म	य	द्वि	तो	य	प्र	ह	र	रा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

पनी	गांरें	नी	सां	नी	ध	म	प	ध	म	ग	ग
षाऽ	ऽऽ	ड	व	सं	ऽ	पू	र	न	या	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

ग	ग	म	–	नी	ध	नी	सां	नी	सां	सां	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	न	ऋ	प	भ	छु	ट	त
×		०		२		०		३		४	

नी	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	ध	ध	ध
स	ध	सु	र	अ	य	रो	ह	ह	क	र	त
×		०		२		०		३		४	

ग	नी	ध	नी	प	ध	नी	–	सां	–	सां	सां
ग	नी	नु	प	मं	ऽ	श्री	ऽ	सं	ऽ	म	त
×		०		२		०		३		४	

गं	रें	सां	नी	ध	प	ध	म	प	ध	म	ग
सं	ऽ	ग	त	सु	र	ध	म	की	ल	स	त
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग–खमाज

एकताल (मध्यलय)

गीत (२)

तूं गरोबनवाज़ मेरो मै ग़रीब तेरो ॥
कुबजा की लाज राखि गजको कियो खेल ।
अजहूं मेरी पत तूं राखि रामनाम हेरो ॥

सां	—	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	ध	प	ध
तू	ऽ	ग	रि	ब	न	वा	ऽ	ज	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	
(सां)	–	नी	ध	म	म	प	ध	म	ग	म	प
मै	ऽ	ग	रि	ऽ	ब	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

म	ग	म	नी	ध	नी	नी	सां	नी	सां	—	सां
कु	ब	ऽ	जा	ऽ	की	ला	ऽ	ज	रा	ऽ	खि
×		०		२		०		३		४	
नी	नी	—	सां	—	रें	सां	नी	सां	नी	ध	ध
ग	ज	ऽ	को	ऽ	कि	यो	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ग	ग	ग	ग	—	म	प	प	ध	नी	सां	सां
अ	ज	हूं	मे	ऽ	रि	प	त	तूं	रा	ऽ	खि
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रें	सा	रें	सां	नी	सां	नी	ध	नी	ध	प	ध
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	हे	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

राग–खमाज

ताल–त्रिताल

गीत (३)

रे मन हरसों करे तूं प्रीत, मात पिता सोहि अखिल जगत को।
अंत समय में कोई नाही ॥

यह संसार झूठ पसारा, भाई बन्द सब कोई नाही ॥

नीसां	रेंसां	नी	ध	पध	नीध	प	म	प	पध	(सा)नंसां	नी
रेऽ	ऽऽ	न	न	हऽ	रऽ	सों	ऽ	क	रऽ	ऽऽ	तूं
१				०				३			

सां	–	–	सां	(सां)ना	सां	नी	सां	(सां)ध	नी	ध	प	म	ध	प	ध
प्री	ऽ	ऽ	त	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ	सो	हि	अ	खि	ल	ज
×				२				०				३			

ग	म	ग	–	(सा)नि	(म)सां	ग	म	प	ध	नी	सां	पध	सांरें	गंमं	गंरें
ग	त	को	ऽ	अं	ऽ	त	स	म	य	में	ऽ	कोऽ	ऽऽ	ऽऽ	इऽ
×				२				०				३			

सांनी	धप	मग	रेसा
नाऽ	ऽऽ	हिऽ	ऽऽ
×			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अन्तरा

नी	म	
सांगं रेंगं मंगं	रां रें सां –	नी सां नी सां
यह रुं ऽ ऽऽ	सा ऽ र ऽ	झू ऽ ट प
२	२	३

सां			
ध नी ध प	ग म ग म	प ध नी सां	पध सांरें गंमं गंरें
सा ऽ रा ऽ	भा ऽ ई बं	ऽ द स ब	कंऽ ऽऽ ऽऽ ईऽ
×	२	०	३

सांनी धप मग रेसा
नाऽ ऽऽ हो ऽऽ
×

राग–खमाज

ताल–त्रिताल

(गीत ४)

जावो सैंया न मोसे करत बरजोरी ठीठ लगरवा ।
मानत नाहीं जानत नाहीं बैया रे मोरी लचक गई रे ।।
करत हो निसदिन अनबन पर्नाछुन ।
जावोजी जावो जावो करोन ठिठो री ।।

प	सां	प	प
प सां नी सां	– नी ध प	ग म प नी	ध ग – म
जा वो सैं या	ऽ न मो से	क र त ब	र जो ऽ री
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे ग रे सा	रे नी सा –	प नी ग नी	प ध नी सां
छो ऽ ट लं	ग र वा ऽ	मा न त ना	ऽ हि जा न
×	२	०	३
रें नी प ध	प नी सां नीसांरें	सां नी ध प	ग म ग म
त ना ऽ हि	बैं या रे मो ऽऽ	री ल च क	ग इ रे ऽ
×	२	०	३

अंतरा

ध	नी		
म नी ध नी	प ध नी सां	प नी सां नीसांरें	सां नी ध प
क र त हो	नि स दि न	अ न ब न ऽऽ	प ल छि न
×	२	०	३
नी	मं		सां
सां मं गं म	रें गं सां रें	नी सां नी सां	ध नी प ध
जा वो जा जा	ऽ वो जा वो	क रो न ठि	ठो ऽ री ऽ
×	२	०	३

'जाओ सैंया न मोसे' इस गीत के आलाप-तान

स्थाई के आलाप

(१) जा वो सैंया	सा – – –	ग म प –	ग म ग –	
	×	२	०	३
(२ जा वो सैंया	ग म प –	ध ग – म	ग – रे सा	
	×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३)	,,	ग म प ध	नी – ध प	ग म ग –
	×	२	०	३
(४)	,,	गम पध नीसां –	नी ध सां –	नीध पम गरे सा
	×	२	०	३
(५)	,,	गम पध नं सां –	सां – रें सां	गं मं ग –
	×	२	०	३
	रें सां – –	नी – ध प	गम पध ग म	ग – रे सा
	×	२	०	३

अंतरे के आलाप

(१)	क र त हो	नि स दि न	सां – – –	नी ध सां –
	×	२	०	३
(२)	,,	,,	पध सांरें गं –	रें सां – –
	×	२	०	३
(३)	,,	,,	सां – – –	नीध पम गम पध
	×	२	०	३
	नीसां – – –	गं – रें सां	गं मं गं –	रेंसां नीध सां –
	×	२	०	३

स्थाई के बोलतान

(१)	जा वो सैं या	ऽ न मो से	नी सा ग म	प ग म ग
			क र त ब	र जो ऽ री
	×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२)	जा	वो	सैं	या	ऽ	न	मो	से	नी	ध	प	ग	म॰ग	ग	—	सा
									क	र	त	ब	र	जो	ऽ	री
	×				२				०				३			
(३)	,,				ऽ	न	मो	से	गम	पध	नीसां	नी	सां	धनी	प	ध
									कऽ	रऽ	तऽ	ब	र	जो	ऽ	ऽरी
	×				२				०				३			
(४)	,,				ऽ	न	मो	से	गम	गसा	—ग	मप	नीध	पग	मग	—म
									जावो	सैंया	ऽन	मोसे	कर	तब	रजो	ऽरी
	×				२				०				३			
(५)	,,				ऽ	न	मो	से	पध	सांरें	—में	गंसां	नीसां	नीसां	धनी	पध
									जावो	सैंया	ऽन	मोसे	कर	तब	रजो	ऽरी
	×				२				०				३			

स्थाई के तान

(१)	जा	वो	सैं	या	न	—	मो	से	गम	पध	नीध	पम	गम	धप	मग	रेसा
	×				२				०				३			
(२)	,,				,,				गम	पध	नीसां	रेंसां	नीध	पम	गरे	सा
	×				२				०				३			
(३)	जा	वो	सैं	या	—	न	मो	से	गम	पध	नीसां	गंमं	गंरें	सांनि	धप	मग
	×				२				०				३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) जा वो सैं या | गप पध नैंसां रेंसां | नीध पम गम पध |
× २ ०
| नीध पम गरे सा |
३

(५) जा वो सैं या | नीसा गम पध गम | पध नीसां पध सांरें |
× २ ०
| सांनी धप मग रेसा |
३

(६) जा वो सैं या | गम पध नीप धनी | मप धनी सांध नीसां |
× २ ०
| नीसां रेंसां नीध पम |
३

(७ जा वो सैं या | – न मो से | क र त ब | र जो ऽ रि |
× २ ० ३
गम पध नीध पम | गम पध नीसां नीध | पम गम पध नीसां |
× २ ०
| रेंसां नीध पम गम |
३

(८) जा वो सैं या | – न मो से | क र त ब | रऽ जो ऽ री |
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमं गरें सांनी रेंनां	नीध पम नीध पम	गरे धप मग रेसा
×	२	०
		गम पध पग नीसां
		३

राग देस

यह राग समाज थाट से निर्माण होता है। इस राग में दोनों 'निषाद' रहते है। आरोह में शुद्ध 'नी' और अवरोह में कोमल 'नी' बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। 'गंधार और धैवत' आरोह में लेने का प्रधात नहीं है। इस राग का वादी स्वर 'रे' और संवादी स्वर है 'प'। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर है। यह राग बहुत लोक प्रिय है।

आरोह :—सारे, मप, नीसां।
आवरोह:—सांनीधप, मग, रेगसा।
पकड़ :—रेमप, नीधप, धमगरे, गनी सा।

आलाप

(१) सा नीधप, मप, नीसा, रेग, नीसा,
(२) नी, सारेनीधप, नीसा, रेम, गरे, गसा.
(३) नीसा, रेम, गरे, रेमप, मगरे, रेमपध, मगरे, गनीसा,
(४) सारेमप, नीधप, धमप, नी, धप, धमगरे, रेमप, धमगरे, गसा.
(५) सारेमपना, सां, नो, सांरें, नी, धप, रेमपना, धप, धमगरे, गनीसा

ताल—तीनताल

गीत (१)

रे म — म	प नी — नी	सां — — रें	सां नी ध प
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म प नी ध | प म गं रे | प म ग रे | ग नी — सा |

० ३ × २ ×

अंतरा

म — म म | प प नी नी | सां — सां सां | नी सा सां —

० ३ × २

नी सां रें मं | गं रें नी सां | रें सां न ध | प म ग रे |

० ३ × २

रे नी ध नी | प ध म प | सां नी ध प | म ग रे सा |

० ३ × २

ताल—त्रिताल

गीत (२)

काना बन्सिया बजाये मोरा मन हर लीनो ।
बन्सिया की धुन सुन मैं तो भई बावरी ।
ना जानूं कहा कीनो रे ॥

| म — |
| का ऽ |

रे सा रे

पनी सां — नी | ध प ध म | म — मं ग | रे — मं गं |
ना ऽ ऽ ब | न्सि या ऽ ब | जा ऽ ये ऽ | ऽ ऽ मो ऽ |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा			सा
नी – सा रे	म प – ध	पध – म ग	रे –
रा ऽ ऽ म	न हू र र	लीऽ ऽ नो ऽ	ऽ ऽ
०	३	×	२

अंतरा

प
ब

प		प	
ध म – प	नी सां नी सां	नी सां – म	प नीसां रेंमं गरें
न्सि या ऽ की	धु न सु न	मैं तो ऽ भ	ई वा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
०	२	×	२
गं रें – नी	नी सां नी सां	नी सां नीमांरें सांरें	नी धप
च री ऽ ना	जा नू क हा	की ऽ नां ऽ ऽ ऽऽ	रे ऽ ऽ
०	२	×	२

ताल –तीनताल

गीत (३)

तबसो चैन नहिं आवेरी सखीरी जबमे मैं निरख्यो नंदलाला कोटि मदन छबि छाये री ॥ कुंडल हलन चलन श्रवणनमें बन्सी मधुर बजावेरी बाजत चरन छुंछुननन नूपुर तातूंपर मुसकावेरी ॥

			ध
म ग रे ग	सा रे म प	नी – सां –	नीध प प ध
त ब सो चै	ऽ न नं हिं	आ ऽ वे ऽ	रीऽ ऽ त ब
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म ग रे ग	सा रे म प	नी - सां सां	नीध पध प -
सो ऽ ऽ चै	ऽ न न हि	आ ऽ वे स	खीऽ ऽऽ री प
०	३	×	२
ध नी ध प	नीसां रेंनी ध प	मप धनी प ध	म ग रे -
ज ब से ऽ	मैं ऽ ऽऽ नि र	ख्योऽ ऽऽ नं द	ला ऽ ला ऽ
०	३	×	२
			ध
रे म रे म	प ध म प	नी - सां -	नीध प प ध
को ऽ टि म	द न छ बि	छा ऽ ये ऽ	री ऽ ऽ त व
०	३	×	२
म ग रे ग	सा रे म प		
सों ऽ ऽ चै	ऽ न न हि		
०	३		

अंतरा

म - म म	प प नी नी	सां सां सां सां	रें नी सां -
कुं ऽ ड ल	ह ल न व	ल न श्र व	ण नं में ऽ
०	३	×	३
प - नी -	सां सां सां सां	पनी सांरें सां रें	नी ध प -
ब ऽ न्सी -	म धु र ब	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	वे ऽ री ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प	ध	रें	रें	रें	रें	रें	–	नी	नी	नी	नी	मां	–	सां	सां
आ	ज	त	च	र	न	छुं	ऽ	छ	न	न	न	नू	ऽ	पु	र
०				३				×				२			

प	–	नी	–	सां	सां	सां	सां	पनी	सांरें	नी	ध	प	–	प	ध
ता	ऽ	हूं	ऽ	प	र	मु	स	काऽ	ऽऽ	वे	ऽ	री	ऽ	त	ब
०				३				×				२			

म	ग	रे	ग	सा	रे	म	प
मों	ऽ	ऽ	चैं	ऽ	न	न	हि
०				३			

ताल–दादरा

गीत (४)

चंचल छल कृष्ण कान्ह । परवश मोहे छेडे, छेडे छेडे ॥
नंद के लाल छैल छबिले । नट हट मोमे करत छेड ।
जमुना जल भरन जात । पनघट मोहे घेरे ॥

पनी	सारें	रेंसा	नी	ध	प	प	ध	म	ग	ग	म
चंऽ	ऽऽ	चऽ	ल	छ	ल	कृ	ऽ	ष्ण	का	ऽ	न्ह
×			०			×			०		

रे	म	ग	नी	सा	सा	रे	म	–	ग	रे	–
प	र	व	श	मो	हे	छे	ऽ	ऽ	डे	ऽ	ऽ
×			०			×			०		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे -	प -	ग	|	प	-	-	||	प	सां	नी	|	सां -	-
छे	ऽ ऽ	ऽ	|	हे	ऽ	ऽ	||	छे	ऽ	ऽ	|	हे ऽ	ऽ
×				०				×				०	

पनी	सांरें	रेंसा	|	नीध	पम	प	||
छेऽ	ऽऽ	ऽऽ	|	हेऽ	ऽऽ	ऽ	||
×				०			×

अंतरा

म	म	प	|	नी	-	नी	||	नी	सां	नी	|	सां	सां	सां
नं	द	के	|	ला	ऽ	ल	||	छे	ऽ	ल	|	छ	बि	ले
×				०				×				०		

प	प	नी	|	नी	सां	सा	||	प	नीमां	रें	|	नी	ध	प
न	ट	ह	|	ट	मो	से	||	क	रऽ	त	|	छें	ऽ	ड
×				०				×				०		

प	प	रें	|	-	रें	गं	||	रेंगं	मं	गंरें	|	गं	मी	सां
ज	मु	ना	|	ऽ	ज	ल	||	भऽ	र	नऽ	|	जा	ऽ	त
×				०				×				०		

प	प	नी	|	नी	सां	सां	||	पनीं	सांरें	रेंसा	|	नीध	पम	प
प	ल	ख	|	द	सो	हे	||	घेऽ	ऽऽ	ऽऽ	|	रेऽ	ऽऽ	ऽ
×				०				×				०		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग—देस

"चंचल छल कृष्ण कान्ह" गाने के आलाप व तान

स्थाई के आलाप

सब आलाप समसे ही शुरू होते हैं। इसलिये 'चंचल छल कृष्ण कान्ह' यह पंक्ति कहने के बाद ही आलाप लिये जाये।

(१) सा – – | – – – || नी सारे नी | – ध प ||

× ० × ०

म प नी | – सा – ||

× ०

(२) सा रे म | – ग रे || ग – नी | – सा – ||

× ० × ०

(३) रे म प | – – – || प ध म | – ग रे ||

× ० × ०

रे ग नी | – सा – ||

× ०

(४) नीसा रेम पनी | सां – – || रें – नी | – ध प ||

× ० × ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे प म | गरे सानी सा ||
× ०

(५) नी सांरें – | गं नी सां || रें – नी | – ध प ||
× ० × ०

म ग रे | ग सा – ||
× ०

अंतरे के आलाप

(१) सां – – | – – – || पध मप नी | – सां – ||
× ० × ०

(२) मप नीसां रें | – – – || गं – – | नी – सां ||
× ० × ०

(३) नीसां रेंम – | गं रें – || रें गंनी सां | रेम पनी सां ||
× ० × ०

स्थाई की तानें

(१) पनी सांरें सांनी | धप मग रेसा |
× ०

(२) नीसा रेम पनी | सांनि धप मप || नींनीं धंप मंप | धंप मंग रेंसा ||
× ० × ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) मारे मप नीसां | रेंरें सांनी धप || मध नीनी धप | मप मग रेसा ||

× ० × ०

(४) नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें || सांनी धप नीनी | धप मग रेसा ||

× ० × ०

(५) नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें || नीसां रेंमं गंरें | सांनी धप मप ||

× ० × ०

नीसां रेंरें सांनी | धप मग रेसा |

× ०

(६) मम गरे सासा | नीनी धप मप || रेंरें सांनी धप | धप मग रेसा ||

× ० × ०

(७) नीसा रेम पनी | सांनी धप मग || रेसा रेम पनी | सांनी धप मग ||

× ० × ०

रेसा पनी सांनी | धप मग रेसा |

× ०

(८) गरें मंगं रेंसां | निसां पनी सांरें || गंरें सांनी धप | मप सांनी धप ||

× ० × ०

मप नीध पम | धप मग रेसा ||

× ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग–दुर्गा

यह राग बिलावल थाट से निकलता है। इस राग मे 'ग' और 'नी' ये दोनों स्वर वर्जित हैं, बाकी स्वर शुद्ध हैं। राग की जाति ओड़व है। वादी स्वर 'म' और संवादी 'सा' है। गाने का समय रात का दूसरा पहर मा ना गया है।

आरोहावरोह :—सारे, मप, धसां, | सांध, प, म, रेसा |

पकड़ :—सारेम, रेप, मपध, म, रेसा |

आलाप :—

(१) सारेमा, साधसा, सारेसा, मरेसा,

(२) सारेधसा, मरेप, मपध, म, रेसा,

(३) सारेम, रेपमध, पधसां, सधां, म,धम, रेंसा'

(४) सारेमपधसांरेंधसां, सांरेंमंरें, सां, धप, पधम, रेसा,

ताल–त्रिताल

गीत (१) लक्षण गीत

सब मिल गावो बजावो दुरगा, ओड़व बिन ग नि द्वितीय प्रहर
निश शुद्ध स्वरन को मेल मिलावो।
मध्यम वादी संग षड़ज अरु न्यास रिषभ कर सारेमरे पमप
पसाधप धम सुर संगत मधुर रचावो ॥

—जयसुखलाल शहा

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी

								प							
			प	म	प	ध	प	ध	–	ध	प	ध	सां	ध	म
			स	ब	मि	ऽ	ल	गा	ऽ	वो	ब	जा	ऽ	वो	ऽ
				३				×				२			
रे	ध़	सा	–	सा	ध़	सा	सा	प	म	प	ध	मांरें	सां	ध	प
दु	र	गा	ऽ	श्रो	ऽ	ड़	व	वि	न	ग	नि	द्विऽ	ति	य	प्र
				३				×				२			
ध	म	रे	सा	सा	रे	म	रे	प	म	ध	–	मप	धमां	ध	प
ह	र	नि	श	शु	ऽ	द्ध	स्व	र	न	को	ऽ	मेंऽ	ऽऽ	ल	मि
०				३				×				२			
ध	म	रे													
ला	ऽ	वो													
०															

अंतरा

ध्र								मं							
म	–	प	ध	सां	ध	सां	–	रें	मं	रें	सां	ध	प	म	म
म	ऽ	ध्य	म	वा	ऽ	दी	ऽ	सं	ऽ	ग	ष	ड़	ज	म	रु
०				३				×				२			
									रे						
मप	ध	ध	म	रे	रे	सा	सा	सा	रे	म	रे	प	–	म	प
न्याऽ	ऽ	स	रि	प	म	क	र								
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां				प					म							
ध	सां	ध	प |	ध	म	रे	सा |	रे	प	प	प |	धप	धसां	ध	प |
			|			सु	र |	सं	ऽ	ग	त |	मऽ	घुऽ	र	र |
०				३				×				२			

ध म रे

चा ऽ वो

०

ताल–झपताल

गीत

सखी मोरी रुम झूम।
बादल गरजे बरसे॥
रैंन अंधेरी कालि, बिजली चमके।
कैसे जाऊं मैं जल भरन॥

गा				ध		म		म	
प	प |	रेमपध	मप,ध ध |	मध	म |	रे		रे	सा |
स	खि |	मोऽऽ	ऽऽऽ री |	रु	म |	झू		ऽ	म |
×		२		०		३			

सा									
धृ	सा |	मरे	प	प |	मप	ध |	पध	सांसांधप	ममरेमा |
बा	ऽ |	दऽ	ऽ	ल |	गर	जे |	बर	सेऽऽऽ	ऽऽऽऽ |
×		२			०		३		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

ध			सां										
मं	–	|	ध	–	पध	|	मां	–	|	रेंध	सां	–	|
रै	ऽ	|	न	ऽ	अ ऽ	|	धे	–	|	रीऽ	ऽ	ऽ	|
×			२				०			३			

सां	ध	|	सां	रें	रें	|	मं	रें	|	सांरेंमांमां	धमांधप	म |
का	लि	|	क्षि	ज	लि	|	च	म	|	कें ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ |
×			२				०			३		

											ध	म	
प	प	|	रेमंपध	मप, ध –	ध	|	ध	म	|	रे	रे	सां |
कै	से	|	जाऽऽऽ	ऊ ऽ ऽ	मैं	|	ज	ल	|	भ	र	न |
×			२				०			३			

तीनताल (मध्यलय)

गीत (४)

एरिं धन धन भाग मोरे आई ऋत पिया मिलन की।
शुभ दिन शुभ घड़ि शुभ आये सब रंग।
ईंच्छा पूरी भई मोरे मन की॥

ध	|	प	धप	मरे	म	|	ध	–	–	सां	|	ध	–	मं	मं |
ए	|	रि	धंऽ	नऽ	धं	|	न	ऽ	ऽ	ऽ	|	भा	ऽ	ऽ	ग |
		३					×					२			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे – सा म	रे प म प	धसां रेंसां ध –	मप धप रेम पम
मो ऽ रे आ	ई ऋ ऽ त	विऽ ऽऽ या ऽ	मिऽ ऽऽ लऽ ऽऽ
०	३	×	२

रे सा –

न कों ऽ

०

अंतरा

सां सां

म म ध ध	सां ध सां सां	धं ध सां रेंसां	धं प ध म
शु भ दि न	शु भ घ डि	शु भ आ ऽऽ	ये ऽ स ब
०	३	×	२
म रे – सां	म रे पं प	धंमां रेंसां ध –	मप धप रेम पम
ऽ रं ऽ ग	ईं च्छा पू री	भऽ ऽऽ ईं ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ
०	३	×	२

रे रे सां

म न की

०

ताल–त्रिताल

गीत (४)

रूप जीवन गुन धरो रहत है । इन भागन के आगे

दरस कहत ये सांचि कही है । जो ना माने बाहे त्यागे ।

मं प रे प

प म प ध	मं रे सा रे	प प म पध	म रे सा रे
रू ऽ प जो	व न गु न	ध रो ऽ रऽ	ह त है ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध		मां	ध
सां ध सां –	सां सां सां,रें	ध सां प ध	म रे गा रे
ह न सा ऽ	ग न के ऽ	आ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ गे ऽ
०	३	×	२

अंतरा

	ध	सां	
म म प ध	सां ध सां –	सां ध सां रें	सां ध म रे
द र स क	ह त ये ऽ	मा ऽ दि क	ही ऽ है ऽ
०	३	×	२

	ध	सां	ध
म म प ध	सां ध सां रें	ध सां प ध	म रे सा रे
जो ना मा ने	जा ऽ हे ऽ	त्या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ गे ऽ
०	३	×	२

राग दुर्गा

"सखं. मोरी रुम झूम" गीत पर आलाप तान,

स्थाई के आलाप

(१) स खि	मोऽऽ ऽऽऽ,ऽरी	रु म	झू ऽ म	सा –	– रे –
×	२	०	३	×	२
				रेध –	सा – –
				०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) | | | | सा रे | म – – |

× २ ० ३ × २

| सारे म | रे सा – |

० ३

(३) | " | " | | सा रे | म – – |

× २ ० ३ × २

प ध | म – – | म प | ध – – | म – | रे – सा |

० ३ × २ ० ३

(४) | " | | " | सारे मप | ध पध सां |

× २ ० ३ × २

– – | रें ध सां | ध – | म – – | पध मं | रें – सा |

० ३ × २ ० ३

अन्तरे के आलाप

(१) रे ऽ | न ऽ अंऽ | धे ऽ | रीऽ ऽऽ |

× २ ० ३

सां – | – – – | रें ध | सां – – |

× २ ० ३

(२) रे ऽ | न ऽ अंऽ | धें ऽ | रीऽ ऽ ऽ |

× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मप धसां	रें – –	सां रेंसां	ध – सां
×	२	०	३

(३)

रे ऽ	न ऽ म्रं ऽ	धे ऽ	रीऽ ऽऽ
×	२	०	३
सां –	ध – –	रें सां	ध – सां
×	२	०	३
मप –म	पध –प धसां	–ध सांरें	–सां ध सां
×	२	०	३

स्थाई की बोलतानें

(१) सखि	मोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री	सारे मरे	रेम रेसा धसा
		सखि मोऽ	रीरू मझु ऽम
×	२	०	३
(२) सखि	मोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री	रेम पध	रेम रे,म पम
		सखि मोरी	रूऽ मझू ऽम
×	२	०	३
(३) सखि	मो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ री	मप धमां	धसांरेंसां धपमप धरम–
		सखि मोरी	रू ऽऽऽ मऽझुऽ ऽऽमऽ
×	२	०	३

(४) झूऽम	सारे धसा	रेम रे,म पम	धप धसा	धसांरेंसां धध धम
	सखि मोरी	रुऽ मझू ऽम	बाऽ दल	ग ऽ रऽ जेब रसे
३	×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) झुऽम | मप धसां | सां रेंमं रेंसां | रेसां धध | धम रेमपध मपध– |
| सखि मोऽ | री रूम झुम | बाद लग | रंजे बरसेऽ ऽऽऽऽ |
१ × २ ० ३

स्थाई के तान

(१) स खि | मोऽऽऽ ऽऽऽ री | सारेमम रेमपध |
× २ ०
| मपधध पधपम रेमरेंसा |
३

(२) स खि | मोऽऽऽ ऽऽऽ री | सारेमप रेंमपध |
× २ ०
| मपधसां धपमम रेमरेसा |
३

(३) ,, ,, | ,, | सारेमप धधपम |
× २ ०
| रेमरेसा पधपम रेमरेमा |
३

(४) ,, ,, ,, | सारेपम धसांपध |
× २ ०
| सारेंसांसां धसांधप ममरेमा |
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) ,, ,, | ,, | सारेमप धसांरेंमं |

× २ ०

| रेंसांधरें सांसांधप ममरेसा |

३

(६) स खि | सारेमप धसांरेंमं म.रेंसांध | रेंसांसांध पमसांसां |

× २ ०

| धपमरे धपमम रेंमरेसा |

३

(७) ममरेसा धधपम | मरेसा– सांसांधप ममरेसा | रेंरेंसांध पममरे |

× २ ०

| सां.रेंमरें सांसांधप ममरेसा |

३

(८) सारेमम रेंमरेसा | मरधध पधपम पधसासां | धसाधप धसांरेंरें |

× २ ०

| सांरेंसांध धमांधप ममरेसा |

३

राग सारंग

यह राग काफी थाठ से उत्पन्न हुआ है। इस राग में दोनों निषाद, शुद्ध और कोमल लगते हैं। 'नी' शुद्ध आरोहमें और 'नी' कोमल अवरोहमें है। 'ग' और 'ध' यह दोनों स्वर इस राग में वर्जित हैं। जाति षाड़व है। वादी स्वर 'रे' होकर संवादी 'प' हैं। गाने का समय मध्यान्ह है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आरोहावरोह

ऩी, सा, रे, म, प, नी सां | सां नी, प, म, रे, सा

पकड़

ऩी सा रे म रे प म रे सा

आलाप

(१) सा, नी प, ऩी सा, ऩीसा

(२) सा, ऩीसा, रेमरे, पमरे, रेमप, मरे, सा

(३) सा, रे, मप, नी प, नी नी प, रेमपनी मप, मरे, सा

(४) सारे, मप, नीसां, रें, सांनीसां, रेंमरेंसां, नी प, मप, मरे सा,

राग सारंग

ताल एकताल

गीत (१)

धन धन धुन सारंग, औरव रूप बरजित ध–ग ।
गावत हरि वृन्दावन, संग मुरली अति सुहाग ।।
आरोहन सुध नी लसत, सोही, मृदु अवरोही रहत ।
प-रि सुर संवाद करत नीपमरे संगत सोहत ।।

—पं० खरे शास्त्री

						म					
म	रे	प	म	नी	प	रे	म	पम	रे	–	सा
ध	न	ध	न	धु	न	सा	ऽ	ऽऽ	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी	–	सां	सां	रेम	रेसां	नी	सा	रे	सां	नी	प
ओ	ऽ	उ	व	हऽ	पऽ	व	र	जि	त	ध	ग
×		०		२		०		३		४	

सा

नी	सां	रें	म	रे	प	पनी	पमं	रे	–	सा	सां
गा	ऽ	व	त	ह	रि	बूंऽ	ऽऽ	वा	ऽ	व	न
×		०		२		०		३		४	
सां	–	सां	प	नी	प	रे	म	पम	रे	–	सा
सं	ऽ	ग	मु	र	लीं	अं	ति	तुऽ	हा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा

म	–	प	नी	नी	नी	नी	सां	नी	सां	सां	सां
आ	ऽ	रों	ऽ	ह	न	सु	ख	नी	ल	स	त
×		०		२		०		३		४	
नी	सां	रें	मं	रें	सां	नीसां	रें	सां	नीं	प	पं
सो	ही	मृ	दु	अ	व	रोऽ	ऽ	ही	र	ह	तं
×		०		२		०		३		४	
प	रें	सां	रें	नी	सां	नीसां	रें	सां	प	नी	प
प	रि	सु	र	सं	ऽ	वाऽ	ऽ	द	क	र	त
×		०		०		०		३		४	
नी	प	म	रे	रे	म	पनी	पम	रे	–	सा	सा
नी	प	म	रे	सं	ऽ	गऽ	तऽ	सो	ऽ	ह	त
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग सारंग

ताल –तीनताल

गीत (२)

ग्रोचक हि भेट भईरी आलिरी काहूं कुंवरनन्द कुंजनवन ठाढो आजरी । भेंट जों ई मेरी उनको कहिं फिरन फिराये कोढ किये छूट गई मेरी नैनन से लाजरी ॥

	प प	नी नी पम रे	– सा नी सां
	ग्रो. ऽ	च क हिऽ भे	ऽ ट ऽ भ
		०	३
रे म म प	प – नी –	प म (प) –म	रे – नी सां
ई ऽ ऽ ऽ	री ऽ आ ऽ	ली ऽ ऽ ऽ ऽ	री ऽ का हूं
×	२	०	३
रे म रे म	प प नी नी	म प नी सां	रें – सां –
कुं व र नं	ऽ द कुं ऽ	ज न ब न	ठा ऽ ढो ऽ
×	२	०	३
– नी – पम	प –		
ऽ आ ऽ जऽ	री ऽ		
×	२		

अंतरा

म – प प	नी प नी –	सां – सां सां	सां – सां सां
भे ऽ ट जो	भ ई में ऽ	री ऽ उ न	को ऽ क हि
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प	नी	प	नी	सां	–	सां	–	रें	सां	रें	सां	नी	–	म	प
फि	र	न	फि	रा	ऽ	ये	ऽ	को	ऽ	ट	फि	ये	ऽ	ऽ	ऽ
×				२				०				३			
म	–	प	प	नी	प	नी	–	सां	–	सां	–	रें	नी	सां	–
झू	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	नै	ऽ	न	न	से	ऽ
×				२				०				३			
–	नी	–	पम	प	–										
ऽ	ला	ऽ	ऽऽ	रो	ऽ										
×				२											

राग सारंग

ताल—झपताल

गीत (३)

मधु मदन मन करो प्रभुसे तुम, सांची कहोगे निभावे ।
जब कोकिला कूक उठी चहुँ ओर, शीतल मंद समीर आवे ॥

सां	सां							म		
नी	नी	सां	सां	सां	नी		पम	क	रे	–
म	धु	म	द	न	म		नऽ	क	रो	ऽ
×		२			०			३		
रे	म	प	–	म	रे	–	सा	–	–
प्र	भु	से	ऽ	ऽ	तू	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म	—	म	—	प म	प	—	नी	प	—
सा	ऽ	ची	ऽ	क	ही	ऽ	ये	ऽ	ऽ
X		२			०		३		

म	प	नी	सां	रें	नी	सां	प	नी	सां
को	ऽ	न	ऽ	नि	भा	ऽ	वे	ऽ	ऽ
X		२			०		३		

अन्तरा

म	म	प	नीप	नी	सां	—	सां	—	सां
ज	ब	को	ऽऽ	की	ला	ऽ	क	ऽ	क
X		२			०		३		

नी	सां	सां	—	रें	नी	सां	प	नी	प
ऊ	ऽ	ठो	—	थ	हू	ऽ	औ	ऽ	र
X		२			०		३		

रें	रें	रें	—	पं	रें	—	सां	—	सां
सी	ऽ	त	ऽ	ज	भौ	ऽ	द	ऽ	र
X		२			०		३		

म	प	नी	सां	रें	नी	सां	प	नी	सां
स	ऽ	मी	ऽ	र	भा	ऽ	ये	ऽ	ऽ
X		२			०		३		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग सारंग

ताल–त्रिताल

गीत (४)

वन–बन ढूढन जाऊं, कितहुं छुप गये कृष्ण मुरारी।
सीस मुकुट और कानन कुंडल, बन्सीधर मनरंग फिरत गिरधारी।

								सां	सां	सांरें	सांनी	पनी	पम	रे	सा
								व	न	बऽ	थऽ	घुंऽ	ऽऽ	ढ	न
								०				३			
म	रें	प	म	प	–	–	–	म	प	सांरें	नीसां	नी	नी	पम	प
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	–	–	–	कि	त	हुंऽ	ऽऽ	छु	प	गऽ	ये
×				२				०				३			
रे	म	नी	पम	रे	–	सा	–								
कृ	ऽ	ष्ण	मूऽ	रा	ऽ	री	ऽ								
×				२											

अंतरा

म	–	प	प	पनी	प	नीं	नी	सां	–	सां	सां	नी	मां	सां	सां
सी	ऽ	स	मु	कु	ट	औ	र	का	ऽ	न	न	कुं	ऽ	ड	ल
×				२				०				३			
नि	सां	रें	–	मं	रें	सां	सां	नी	सां	रें	सां	नी	सां	नी	प
ब	ऽ	न्सी	ऽ	ध	र	म	न	रं	ऽ	ग	फी	र	त	गि	र
×				२				०				३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मप	नीसां	रेंमं	रेंसां	नींसां	रेंसां	नीप	मग
धाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	गोऽ	ऽऽ
×				२			

राग सारंग

"बन-बन ढूंढन" इस गीत पर आलाप तान

(१)	ब	न	बऽ	नऽ	ढूंऽ	ऽऽ	ढ	न	सा	–	–	नी	प	नी	–	सा
	०				३				×				२			
(२)	ब	न	बऽ	नऽ	ढूंऽ	ऽऽ	ढ	न	रे	म	–	रे	रे	नी	सा	–
	०				३				×				२			
(३)	ब	न	बऽ	नऽ	ढूंऽ	ऽऽ	ढ	न	सा	रे	–	म	प	नी	–	प
	०				३				×				२			
(४)	ब	न	बऽ	नऽ	ढूंऽ	ऽऽ	ढ	न	रे	म	प	–	नी	नी	–	प
	०				३				×				२			
	मप	नी	–	–	सां	–	–	–	नी	प	–	म	रे	म	प	–
	०				३				×				२			

अंतरे के आलाप

मो	ऽ	म	मु	कु	ट	औ	र	सां	–	नीप	मप	नी	–	सां	–
×				२				०				३			
मो	ऽ	म	मु	कु	ट	औ	र	रनी	सांरें	–	–	सां	–	रेंनी	सां
×				२				०				३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सी ऽ स मु	कु ट मो र	नी – सां –	नीसां रें मं –
×	२	०	३
रें – रेंनी सां	– – पनी मांरें	– सां – –	नीनी मप पनी सां
×	२	०	३

स्थाई के बोलतान

(१)	ब न बऽ नऽ	दूंऽ ऽऽ ड न	म प नी पम	रे – नी सा
			ब न ब नऽ	दूं ऽ ड न
	०	३	×	२
(२)	ब न नऽ नऽ	दूंऽ ऽऽ ड न	नी प नी सां	नीप पम रे म
			ब न ब न	ऽऽ दूंऽ ड न
	०	३	×	२
(३)	ब न बऽ नऽ	दूंऽ ऽऽ ड न	नी प नी सां	रेंसां नीप नीप मप
			ब न ब न	ऽऽ घूऽ डऽ नऽ
	०	३	×	२
(४)	ब न बऽ नऽ	दूंऽ ऽऽ ड न	रेम रे,म पम नीप	नीप मप रेम म
			बऽ नब ऽन दूंऽ	डऽ नऽ जा ऊ
	०	३	×	२
(५)	ब न बऽ नऽ	दूंऽ ऽऽ ड न	मप नीसां रेंसां रेंनी	सांसां नीप नीम पप
			बन बन दूंड नजा	ऽऊ घूंड नजा ऽऊ
	०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थाई की तानें

(१) ब न बऽ नऽ | ढूं ऽ ऽऽ ड न | नींसां रेम ध्नी सांनी |

० ३ ×

| पम रेम रेसा नीसा |

२

(२) ब न बऽ नऽ | ढूं ऽ ऽऽ ड न | नीसां रेम पनी सांरें |

० ३ ×

| सांनी पम रेम रेसा |

२

(३) ब न बऽ नऽ | ढूं ऽ ऽऽ ड न | रेम पनी सांरें मंमं |

० ३ ×

| रेंसां नीप मम रेमा |

२

(४) ब न बऽ नऽ | ढूं ऽ ऽऽ ड न | मम रेसा पनी पम |

० ३ ×

| रेसा मरे पम रेसा |

२

(५) ,, | ,, | रेम पम नीप मप |

० ३ ×

| मम रेम मरे गा |

२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) ,, | ,, | नीसा रेम पनी सांरें |

० ३ ×

ममं रेमां रेंरें मांनी | मांमां नीप नीनी पम | पप मरे मम रेप |

२ ० ३

पम नीनी पसां सांनी | रेंरें सांनी पम रमा |

× २

(७) ,, | ,, | नीसा रेम पनी सांनी |

० ३ ×

पम रेग रेम पम | पनी पनी सांनी सारें | सांनी पम मर मप |

२ ० ३

| नीप नीसां नीसां रेंसां | रेंरें सांनी पम रेसा |

× २

राग भीमपलासी

यह राग काफी थाटसे उत्पन्न होता है । इस राग में 'ग' और 'नी' कोमल लगते है । बाकी सब स्वर शुद्ध हैं । आरोह मे 'रे' और 'ध' वर्जित है । जाति ओडव-संपूर्ण है । इसके गायन का समय दिन का तीसरा पहर माना गया है ।

आरोहा

नी सा ग म, प, नी सां | सां नी ध प म, ग रे सा

पकड़

-नी सा ग म, प, नीधप, मंप, ग म ग रे सा

६

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आलाप

(१) नी सा, ग म प गम ग, रे सा.

(२) नी सा, गरेसा. गमप, मग, म, ग. रे, सा.

(३) नी सा, ग, म, प नी धप, मप, नी धप, गमप, गम ग रेसा.

(४) नी सा, गम, पनीसां, नी सां गं रें सां, नी, धप, मपनी धप,

ग. म, ग रे सा.

राग भीमपलासी

ताल—एकताल

गीत (१)

स्थाई

नी	–	सा	ग	–	म	प	म	प	ग	–	म
x		०		२		०		३		४	
प	नी	ध	प	म	प	ग	–	म	ग	रे	सा
x		०		२		०		३		४	

अंतरा

पं	म	प	ग	–	म	प	नी	नी	सां	–	सां
x		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी	नी	सां	गं	रें	सां	नी	सां	नी	ध	प	–
×		०		२		०		३		४	
प	रें	रें	सां	नी	सां	नी	ध	प	म	प	–
×		०		२		०		३		४	
ग	म	ग	प	म	प	ग	म	ग	रे	सा	–
×		०		२		०		३		४	

राग भीमपलासी

ताल—त्रिताल

गीत (२)

ब्रिज में धूम मचायो श्याम, कैसे मैं सखि जाऊं अपने धाम ।
सब सखियां मिल होरी खेलत हैं, अंखियन डारत गुलाल ॥

	म	प			
नी	ध	प	ग	म	
वि	र	ज	में	ऽ	
	३				

म	म					म	सो					म			
प	–	प	प	ग	सा	ग	म	ग	रे	सा	–	नी	सा	ग	म
धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	यो	ऽ	श्या	ऽ	म	ऽ	कै	से	मैं	ऽ
×				२				०				३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

	प	
म प ग म	प नी पनी सांनी	ध – प
स खि जा ऊ	अ प नेऽ ऽऽ	धा ऽ म
×	२	०

स्थाई

	प म	सां सां	
प प प प	म प ग म	प प नी नी	सां सां सां –
स व स खि	य न भि ल	हो ऽ रि खे	ल त है ऽ
×	२	०	३

सां सां		
प नी सां गं	रें सां नी सां	नी ध प
अ खि य न	डा र त गु	ला ऽ ल
×	२	०

राग भीमपलासी

ताल–त्रिताल

गीत (३)

बन बन ढूंढन जात सखीरी।
सुनत बंसी धुन कान बजावत॥
तान-तान मधुबन में गूंजत।
सब लोगन को नाच नचावत॥

प म		सां	प
प नी ध प	ग – रे सा	नी सा सा ग	म प ग म
ब न ब न	ढू ऽ ढ न	जा ऽ त स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS
CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	सां							म	म			म	म		
प	नी	सां	नी	सां	नी	ध	प	ग	ग	म	प	ग	ग	रे	सा
सु	न	त	वं	ऽ	सि	धु	न	का	ऽ	न	व	जा	ऽ	ब	त
०				३				×				२			

अन्तरा

		सां			सां	सां						रें			
म	—	प	नी	—	नी	प	नी	सां	सां	सां	—	नी	सां	सां	सां
ता	—	न	ता	ऽ	न	म	धु	ब	न	में	ऽ	गूं	ऽ	ज	त
०				३				×				२			

	सां	रें						म	म			म			
प	नी	सां	गं	रें	सां	नीध	प	ग	ग	म	प	ग	मग	रे	सा
स	ब	लो	ऽ	ग	न	कोऽ	ऽ	ना	ऽ	च	न	चाऽ	ऽऽ	ब	त
०				३				×				२			

राग भीमपलासी

ताल—त्रिताल

गीत ४

छबि अछि बनी बनवारी की। मृदु मुसकान आन नैनन की।
को बरन गिरधारी ।। मोर-मुकुट मकराकृति कूंडल।
अलका घूंघर वाले की ।।

प				म				रे				म	प		
नी	ध	पम	प	ग	ग	रे	सा	नी	सा	सा	—	ग	म	प	—
छ	बि	अऽ	बि	ब	नी	ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प प प प	ग म म ग	म प ग म	ग रे सा ऽ
मृ दु मु स	का ऽ न आ	ऽ न नै ऽ	न न को ऽ
०	३	×	२

सां	सां		
नी – नी नी	सां – नी सां	नी ध प –	गम पनी पनी सां
को ऽ ब र	ने ऽ गि री	धा ऽ री ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

अंतरा

		सां सां	
प – प प	म प ग म	प – नी नी	सां – सां सां
मां ऽ र मु	कु ट म क	रा ऽ कृ ति	कुं ऽ ड ल
०	३	×	२

सां			
प नी सां गं	रें – सां सां	नी ध प –	गम पनी पनी सां
अ ल का ऽ	घुं ऽ ग र	वा ऽ ले ऽ	कोऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

"बिरज मे घूम मचायो" गीत के आलापतान

स्थाई के आलाप

(१) बि	र ज में ऽ	सा – – –	ना प़ नी सा	ग रे सा
	३	×	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) बि | र ज में ऽ | नी सा ग – | – रे – सा | ग रे मा |
३ × २ ०

(३) बि | र ज में ऽ | नी सा ग म | प – ग म | ग रे ला |
३ × २ ०

(४) बि | र ज में ऽ | ग म प – | नि – – – | ध – प – |
३ × २ ०

| ग – म ग | रे सा ग म | प ग – म | ग रे सा |
३ × २ ०

(५) बि | र ज में ऽ | गम पनी – – | सां – – – | नी –सां गं |
३ × २ ०

| – रे सां – | नीसां –नी ध प | म प ग म | ग रे सा |
३ × २ ०

अन्तरा के आलाप

(१) स ब स खि | ग न मि ल | ग – – म | – प नी सां |
× २ ० ३

(२) ,, | ,, | नी – पध पम | गम पनी सां – |
× २ ० ३

(३) ,, | ,, | नी – सां गं | रें सां पनी सां
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थाई की बोलतानें

(१)

वि	र ज में ऽ	सा ग म प	ग म ग रेसा	नी सा सा
		वि र ज में	धूऽम मऽ	चा ऽ यो
	३	×	३	०

(२)

वि	र ज में ऽ	ग म प नी	ध प प म	प ग म
		बि र ज में	धू ऽ म म	चा ऽ यों
	३	×	३	०

(३)

बि	र ज में ऽ	प नी सां गं	रें सां नीसां रेंमां	नी ध प
		बि र ज में	धू ऽ मऽ मऽ	चा ऽ यो
	३	×	२	०

(४)

वि	र ज में ऽ	पप मग मग रेसा	गम पनी धप गम	पनी पनीमां
		बिऽ रऽ जऽ मेंऽ	धूऽ ऽऽ मम चाऽ	ऽऽ योंऽ ऽ
	३	×	२	०

(५)

बि	र ज में ऽ	गम पनी पनी सांरें	नीसां सां नीनी धप	मप मग रेमा
		बिर जमें धूऽ मम	चाऽ यो काऽ ऽऽ	ऽऽ नाऽ ऽऽ
	३	×	२	०

स्थाई के तान

(१)

बि	र ज में ऽ	धू ऽ म म	नीसां गम पनी सांनी	धप मग रेसा
	३	×	२	०

(२)

वि	र ज में ऽ	धू ऽ म म	गम पनी सांरें सांनी	धप मग रेसा
	३	×	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) वि | र ज में ऽ | धू ऽ म ग | मप नीमा गरें मांनी | धप मग रेमा |
3 × २ ०

(४) वि | र ज में ऽ | नीमा गम पम गम | पनी मांनी पनी सांरें |
३ × २
| सांनी धप मप |
०

(५) वि | र ज में ऽ | नीसा गग रेमा गम | पर मग मर म नी |
३ × २
| धप मग रेसा |
०

(६) वि | र ज में ऽ | नीमा गम पम पम | गम पनी सांनी सांनी |
३ × २
| धर मग रेसा |
०

(७) वि | र ज में ऽ | नीसा गम पनी सांनी | पप मग रेमा गम |
३ × २
| पनी सांनी धर मग | रेसा पनी सांनी धर | मग रेसा नीसा गम |
० ३ ×
| पनी सांनी पनी सांनी | धर मग रेमा |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बागेश्री

यह राग काफी ठाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'गांधार' और 'निषाद' ये दो स्वर कोमल लगते हैं। कोई कोई 'प' स्वर बिलकुल वर्जित मानते हैं, तो कोई अवरोह में थोड़ा लगाते है। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। वादी स्वर 'मं' और संवादी 'सा' है। आरोह में 'रे' स्वर नहीं आता। गाने का समय रात का दूसरा पहर है।

आरोहावरोह

ग म, ध नी सां | सां नी, ध,म ग रे सा.

पकड़

सा, ग म ध, म ग रे सा

(१) सा, नीध़ सा मग रे सा.

(२) धनीसा मग, मध, मग रे, सा.

(३) सा, गमध, मग, मध, नीध, म गरे, सा.

(४) गमध, नीसां, धनीसां, रेंसां, नीध. मगनीध, मग, रेसा.

राग बागेश्री

ताल –तीनताल

गीत (१)

सा ध म ग	रे सां धं नी	सा – मं –	ग – मं ध
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी ध नी सां	रें सां नी ध	म नी ध म	प रें सां –
०	३	×	२

अंतरा

ग म ध नी	सां नी सां –	नी सां रें सां	नी सां नी ध
०	३	×	२
ग नी सां मं	गं रें सां –	नी सां नी ध	म ग म ध
०	३	×	२

राग बागेश्री

ताल–त्रिताल

गीत (२)

ऋतु बसंत तुम अपने उमंगसे ।
पी ढूंढन मैं निकली घरसों ॥
आवोजी लाला घर बिठलाऊं ।
पांव दबाऊं प.से सरसों ॥

			सां
ग म प ग	म ग रे सा	सा (सा) ध नी	सा म म –
ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	अ प ने ऊ	मं ग सो ऽ
०	३	×	२
		म	म ध
ग म नी ध	नी सां सां –	ध ध पध नी	ध ध म –
पी ऽ ढूं ऽ	ढ न मैं ऽ	नी क लीऽ ऽ	घ र सों ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

ग	म	नीध	नी	सां	–	सां	–	नी	सां	रें	सां	नी	सां	नी	ध
आ	ऽ	वोऽ	जी	ला	ऽ	ला	ऽ	ध	र	बि	ठ	ला	ऽ	ऊं	ऽ
०				३				×				२			

														ध	
म	–	ध	नी	सां	–	सां	–	ध	ध	पध	नी	ध	ध	म	–
पा	ऽ	ग	बं	धा	ऽ	ऊं	ऽ	पी	ऽ	रीऽ	ऽ	स	र	सीं	ऽ
०				३				×				२			

राग बागेश्री

गीत ३.

अरी एरी सखी बलहारी तुमरिया।
चलके दिखाओ मुझे पिया को नगरिया ॥
पिया बिन मुझको चैन नहीं आवे।
घर काम काज मोहे कछु ना सुहाये ॥

											धनी
											अरि
											२
सां	सां	सां	–	नीसां,रें	सां		नीसां	नी	ध	म	
ये	ऽ	री	ऽ	सऽऽ	खी		ऽऽ	ब	ऽ	ल	
×		२			०			३			
म		ध		ध							
ध	–	नी	–	ध	म		पध	म	ग	–	
हा	ऽ	री	ऽ	तु	म		रीऽ	या	ऽ	ऽ	
×		२			०			३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

					ध				
रे	सा	नी	सा	मा	नी	–	ध	म	ग
च	ल	के	ऽ	दि	खां	ऽ	ओ	मु	झे
×		२			०		३		

म		म							
ग	म	नी	ध	म	धनीमांरें	नीसां –	नीनी	धम	धनी
पि	या	के	ऽ	न	ग ऽऽऽ	रि ऽ	याऽ	ऽऽ	अरी
×		२			०		३		

अंतरा

म	ग	म	नी	ध	नी	सां	सां	–	–	–
रि	या	बी	ऽ	न	मु	झ	को	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३			

					मां				
नी	सां	सां	रें	मां	नी	सां	नी	ध	–
चै	ऽ	न	म	हि	आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

ध	नी	धनीमांमं	गं	रें	सां	नीसां	नी	ध	म
ध	र	काऽऽऽ	ऽ	म	का	ऽऽ	ज	मो	हे
×		२			०		३		

ग	म	नी	ध	म	धनीसारें	नीमां	नीनी	धम	धनी
क	छू	ना	ऽ	सु	हाऽऽऽ	ऽऽ	वेऽ	ऽऽ	अरी
×		२			०		३		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बागेश्री

'ऋतु वसंत तुम' गीत पर आलाप–तान

स्थाई के आलाप

(१) ऋतु बसं | ऽ त तु म | सा – – – | नी ध सा – |
० ३ × २

(२) ऋतु बसं | ऽ त तु म | सा म ग – | म ग रे सा |
० ३ × २

(३) ऋतु बसं | ऽ त तु म | ध नी सा म | – – – – |
० ३ × २

ग म ध – | – नी ध – | म – – ग | – रे – सा |
० ३ × २

(४) ऋतु बसं | ऽ त तु म | ग म नी ध | सा – – – |
० ३ × २

रें – सां – | नी ध – – | ग म नी ध | म ग रे सा |
० ३ × २

अंतरे के आलाप

(१) दाऽ ओ जी | ला ऽ ला ऽ | ध नी सां – | नी ध सां – |
० ३ × २

(२) दाऽ ओ जी | ला ऽ ला ऽ | धनी सांरें नीसां | नी ध सां – |
० ३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) आ ऽ वो जी | ला ऽ ला ऽ | सां – – – | गं – रें सां |
० ३ × २

मं – – गं | – रें – सां | म ध नी सां | – ध नी सां |
० ३ × २

स्थाई के बोलतान

(१) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ग म ध म | गम म रे सा |
| अ प ने ऊ | मं ऽ ग सो ऽ |
० ३ × २

(२) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ध ध नी ध | धम ग रे सा |
| अ प ने ऊ | मंऽ ग सो ऽ |
० ३ × २

(३) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सां ग | म ग रे सा |
| अऽ पऽ ने ऊ | म ग सो ऽ |
० ३ × २

(४) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | सासा सासा नीसा धनी |
| ऋतु बसं ऽत तुम |
० ३ ×

| साम मम मप गरे |
| अप नेऊ मंग सोऽ |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	सांनी	गंमां				
		ऋतु	बसं	ऽ त	तुम				
०	३	×							
		धध	धध	धनी	धम				
		अप	नेऊ	मंग	सोऽ				
		२							

स्थाई की तानें

(१) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	धनी	साग	मध	नीसां	नीध	पम	गरे	सा
०	३	×				२			
(२) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	मांगं	रेंमां	नीध	पम	गरे	सा
०	३	×				२			
(३) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	सांमं	गंरें	सांनी	धप	मग	रेसा
०	३	×				२			
(४) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	सां	धनी	सांनी	धप	मग	रेसा
०	३	×				२			
(५) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	धनी	सांमं	गरें	सांनी	धनी	धप	मग	रेसा
०	३	×				२			
(६) ऋ तु ब सं	ऽ त तु म	गम	धनी	सांम	गंरें				
०	३	×							

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| सांनी धप म ा मध | नीसां गंरें सांनी धप | मग मध नीसा नीध |

२ ० ३

| पम गरे सा गम | धनी सा धनी सां |

× २

(७) ऋतु ब सं | ऽ त तु म | गम गम गरे सा |

० ३ ×

| नीनी धनी धप मग | मम गम ग॒ सा | मर्मं गंमं गरें सांनी |

२ ० ३

| गगं रेंगं रेंसां नीध | पम गम गरे सा |

× २

(८) ऋतु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं मंगं |

० ३ ×

| रेंसां नीसां गंग रेंसां | नीध रेंरें सांनी धम | नीनी धप मग मम |

२ ० ३

| गरे साग मध नीसा | मध नीसां धनी सां |

× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध्रुपद १

राग—खमाज

चौताल

जय जय जय सत्यदेव सुर नर मुनी चरण सेवें ।
त्रिभुवन पति पारब्रह्म पूरन प्रभु गुणनिधान ॥
जय जय जय रूप सदन निरखत छबि चंद्रवदन ।
पारिजात कोटि मदन भूलिजात अनूप बान ॥

स्थाई

नी	नी	सां	नी	सां	रें	सांनी	सां	नी	ध	म	प
ज	य	ज	य	ज	य	स ऽ	ऽ	त्य	दे	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	

ग	म	प	ध	नी	ध	प	ध	म	ग	—	ग
सु	र	न	र	मु	नि	च	र	न	से	ऽ	वें
×		०		२		०		३		४	

नी	सा	ग	म	ग	म	प	—	ध	नी	सां	सां
त्रि	भु	व	न	प	ति	पा	ऽ	र	ब्र	ऽ	ह्म
×		०		२		०		३		४	

पनी	सांरें	सांनी	सां	नी	ध	मप	पध	म	ग	—	ग
पू ऽ	ऽ ऽ	र ऽ	न	प्र	भु	गु ऽ	ण ऽ	नि	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

		म			प						
ग	म	नी	नी	ध	ध	नी	सां	नी	सां	सां	सां
ज	य	ज	य	ज	य	रू	ऽ	प	स	द	न
×		०		२		०		३		४	
नी	नी	सां	नी	सां	रें	सांनी	सां	नी	ध	ध	ध
नि	र	ख	त	छ	बी	चं ऽ	ऽ	द्र	व	द	न
×		०		२		०		३		४	
ग	—	म	प	—	ध	नी	सां	नी	सां	सां	सां
वा	ऽ	रि	जा	ऽ	त	को	ऽ	टि	म	द	न
×		०		२		०		३		४	
गं	—	रें	सां	नी	सां	ध	सां	नी	ध	म	प
भू	ऽ	लि	जा	ऽ	त	ध	नु	ष	बा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

ध्रुपद २

राग भीमपलासी

चौताल

कुंजन में रचो रास प्रति बुधगत लिये गोपाल,
कुंडल की झलक देख कोटि मदन वारे को।
अधर तोष रंग रंग बांसुरी कोपाय संग,
ऐसी छबि देख देख मोहन के मुकुट पर मेरो मन अटको॥

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थाई

		प									
म	ग॒	म	ग॒	रे	सा	सा	सा	सा	नी॒	सा	सा
कूं	ऽ	ज	न	ऽ	में	र	चो	ऽ	रा	ऽ	स
X		०		२		०		३		४	
नी॒	सा	म	ग॒	म	प	नी॒	ध	प	ग॒	म	म
अ	ति	बु	ध	ग	त	लि	ये	गो	पा	ऽ	ल
X		०		२		०		३		४	
प	म	म	ग॒	म	म	प	नी॒	नी॒	सां	सां	सां
कूं	ऽ	ड	ल	ऽ	कि	झ	ल	क	दे	ऽ	ख
X		०		२		०		३		४	
सां	नी॒	ध	प	म	प	ग॒	म	ग॒	रे	नी॒	सा
को	ऽ	टि	म	द	न	वा	ऽ	रे	ऽ	को	ऽ
X		०		२		०		३		४	

अंतरा

प	प	प	म	ग॒	मं	प	नी॒	नी॒	नी॒	गां	सां
अ	ध	र	तो	ऽ	ष	रं	ऽ	ग	रं	को	ऽ
X		०		२		०		३		४	
नी॒	नी॒	नी॒	सां	सां	मं	गं॒	रें	सां	नी॒	ध	प
बां	ऽ	सु	री	ऽ	कों	पा	ऽ	य	सं	ऽ	ग
X		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ग	प	ग	–	म	प	ग	म	ग	रे	–	सा
ऐ	ऽ	सी	ऽ	छ	बि	दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नी	सा	ग	म	प	नी	नी	नी	नी	सां	–	सां
मो	ऽ	ह	न	की	ऽ	मु	कु	ट	प	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सां	नी	ध	प	म	प	प	ग	म	ग	रे	सा
मे	ऽ	रो	ऽ	म	न	अ	ट	ऽ	को	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ध्रुपद ३

राग बागेश्री

चौताल

जय जय जय जगदाधार दीन बंधु दीनोद्धार, दारीद्र दुख
हरन हार कमलापति करण धार।
रामकृष्ण बासुदेव चंद्रमणि मधुसूदन पारब्रह्म परमेश्वर
परम पुरुष निराकार ॥

स्थाई

सां	सां	नीध	ध	धप	ध	नी	ध	म	ग	रे	सा
ज	य	जऽ	य	जऽ	य	ज	ग	दा	धा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा	–	रेसा	नीध	सा	सा	म	–	ग	रे	सा	सा
दो	ऽ	नऽ	बंऽ	ऽ	धु	दी	ऽ	नो	द्धा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	–	म	म	ध	ध	म	ध	नी	सां	–	सां
दा	ऽ	री	द्र	दु	ख	ह	र	न	हा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
मं	गं	रें	सां	नीध	पध	नी	ध	म	मग	रे	सा
क	म	ला	ऽ	पऽ	तिऽ	क	र	ण	धाऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा

म	ग	म	नी	ध	नीं	सां	–	नी	सां	–	सां
रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	वा	ऽ	सु	दे	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
ध	नी	सां	गं	रें	सां	नी	सां	ध	नी	ध	ध
चं	ऽ	द्र	म	ऽ	णि	म	धु	सू	ऽ	द	न
×		०		२		०		३		४	
म	ग	रे	सा	म	म	ध	म	धनी	सां	सां	सां
पा	ऽ	र	ब्र	ऽ	म्ह	प	र	मेऽ	ऽ	श्व	र
×		०		२		०		३		४	
मं	गं	रें	सां	नीध	पध	नी	ध	म	मग	रे	सा
प	र	म	पु	रुऽ	षऽ	नि	रा	ऽ	काऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध्रुपद ४

राग सारंग

चौताल

कोउ कहत रे मधुप तू कहा तू रस को जाने,
बहुत कुसुम पै बैठी सब आपन सम माने।
आपन सम हमको कियौ चाहत है मति मंद,
दुविध ग्यान उपजाय के दुखित प्रेम आनंद ॥

स्थाई

नी	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी̱	प	म	प
को	ऽ	उ	क	ह	त	रे	ऽ	म	धु	प	तू
×		०		२		०		३		४	

म	प	म	नी̱	प	म	रे	रे	रे	नी̣	सा	सा
क	हा	ऽ	तू	ऽ	र	स	को	ऽ	जा	ऽ	ने
×		०		२		०		३		४	

सा	नी̣	सा	म	रे	म	प	म	प	नी̱	म	प
ब	हु	त	कु	सु	म	पै	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ठि
×		०		२		०		३		४	

म	प	नी	सां	रें	रें	नी	सां	नी̱	नी̱	म	प
स	ब	आ	ऽ	प	न	स	म	मा	ऽ	ने	ऽ
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

प	नी	प	नी	मां	सां	नी	सां	सां	रें	नी	सां
आ	ऽ	प	न	स	म	ह	म	को	कि	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नी	सां	रें	मं	रें	सां	रें	सां	नी	सां	नी	प
चा	ऽ	ह	त	है	ऽ	म	ति	मं	ऽ	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
प	रें	सां	रें	नी	सां	प	नी	प	म	रे	म
दु	वि	ध	ग्या	ऽ	न	उ	प	जा	ऽ	य	के
×		०		२		०		३		४	
म	प	नी	सां	रें	सां	नी	सां	प	नी	म	प
दु	खि	त	मे	ऽ	म	आ	ऽ	नं	ऽ	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

(स्थापना १९२५)

बम्बई के सर्व संगीत विद्यालयों में

पुराना और मशहूर

इस विद्यालय में शास्त्रिय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रूप से प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है।

शिक्षा शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्न लिखित पते पर लिखिये :—

पता :—
रायल आपेरा हाऊस के सामने
मोदी चेम्बर्स
गिरगांव, बम्बई नं०—४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अ. भा. गां. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है।

सम्पादक :—प्रोफ़ेसर बी. आर. देवधर

मासिक की विशेषतायें :—

संगीत के रसिकवर्ग के लिये

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैय्यों के चरित्र

प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र

सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय के विद्वानों तक के संगीत विषयक लेख

प्रसिद्ध सिनेमा संगीत-दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय गानों की (नोटेशन सहित) तर्जें

हास्यविनोद-कलाकारों के किस्से

व्यंग-चित्र इत्यादि

संगीत के विद्यार्थियों के लिये

संगीत-शास्त्र विषयक चर्चा

तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी

तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी

परीक्षा-प्रश्नों के उत्तर

प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानी चीजें और उसके नोटेशन

पत्र-व्यवहार वगैरह

वार्षिक शुल्क :—रु. ६; वी. पी. से रु. ६॥; फुटकर अंक ७५ पैसे

विदेश के लिये रु. ८॥ (विदेश के लिये वी. पी. नहीं)।

पत्र-व्यवहार और शुल्क भेजने का पता :—

मैनेजर, **संगीत कला विहार,** डाकघर—**मिरज** (द. सतारा)

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi